दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 289/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 09 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आज उन्हें नमन किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

पीएमओ में ओएसडी प्रतीक दोषी से हुआ वित्त मंत्री सीतारमण की बेटी का विवाह

बेंगलुरु। जहां एक और देश में भव्य, शान शौकत और धूमधाम से शादी होने की खबरें आती रहती है वही इस मामले में एक अलग तरह की अच्छी खबर आ रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेरणा दाई उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी बेटी परकला की शादी अत्यंत सादगीपूर्ण तरीके से अदामारू मठ संतों के आशीर्वाद के साथ संपन्न कराई। बेटी की शादी गुजरात के प्रतीक से हिंदू परंपरा के अनुसार संपन्न हुई। इस मौके पर दुल्हन ने गुलाबी रंग की साड़ी और हरे रंग का ब्लाउज पहना था। वही दूल्हे ने सफेद रंग का पंचा और शॉल पहनी थी। निर्मला सीतारमण ने इस खास दिन पर मौलाकलमरू साड़ी पहनी थी।

शादी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि यह शादी बेहद सादगी से संपन्न हुई जिसमें सिर्फ परिवार के लोग शामिल हुए। शादी में कोई राजनीतिक हस्ती या वीवीआईपी या वीआईपी शामिल नहीं हुए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बेटी परकला वांग्मयी 7 जून को शादी के बंधन में बंध गई। शादी समारोह बेंगलुरु के एक होटल में संपन्न हुआ। निर्मला सीतारमण की बेटी परकला नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के मेडिल स्कूल ऑफ जर्नलिज्म से पत्रकारिता की पढ़ाई भी कर चुकी हैं। वे एक राष्ट्रीय अखबार के साथ काम भी कर चुकी है।

कौन है प्रतीक दोषी

निर्मला सीतारमण के दामाद प्रतीक दोषी गुजरात के रहने वाले हैं और फिलहाल वह पीएमओ यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑफिस में ओएसडी के तौर पर काम करते हैं। प्रतीक दोषी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में विशेष कार्य अधिकारी हैं। वह ओएसडी, अनुसंधान और रणनीति हैं। वह 2014 से पीएमओ से जुड़े हुए हैं। उन्हें जून 2019 में संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। दोषी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आंख और कान के रूप में जाना जाता है। वह फाइलों को मंजूरी देने से पहले पीएम मोदी को नियुक्तियों पर इनपुट प्रदान करते हैं।

लाडली योजना का इंपैक्ट असेसमेंट करवाया जाएगा: मुख्यमंत्री शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाडली बहना योजना की राशि के अंतरण का कार्यक्रम पूरी तरह से व्यवस्थित होना चाहिए। मुख्यमंत्री लाडली योजना का इंपैक्ट असिस्मेंट करवाया जाएगा। जहां आमंत्रण देने का कार्य पूर्ण ना हुआ हो, घर घर जाकर पीले चावल देकर बहनों को आमंत्रित किया जाए। वे आज मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कल 10 जून को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के राशि अंतरण के जबलपुर में हो रहे राज्यस्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संभागीय कमिश्नर से भी चर्चा की ग्राम और वार्ड स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा की जानकारी प्राप्त कर देती है। श्री चौहान ने कहा कि 10 जून के कार्यक्रम की बेहतर तैयारी करें। जिलों का प्रशासनिक अमला बधाई का पात्र है। प्रदेश में 8 जून को ग्राम सभाओं में बहनों की व्यापक भागीदारी प्रशंसनीय है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के प्रसारण की समुचित व्यवस्था की जाए।

श्री चौहान ने कहा कि यह योजना प्रशासनिक दक्षता और समस्त अमले के परिश्रम का उदाहरण है। प्रदेश की सवा करोड़ महिलाओं को प्रतिमाह लाभान्वित करने की यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक दृष्टांत है। समस्त गतिविधियों का दस्तावेजीकरण भी किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज कैलाश नाथ काटजू हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी ऑरम सोनोग्राफी यूनिट का उद्घाटन किया। इस मौके पर एसीएस स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कमल नाथ बोले, मध्य प्रदेश चुनाव में भाजपा का अब 2030 माडल से है मुकाबला

खंडवा। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने हरसूद में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में मंच से भाजपा को खुली चुनौती देते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में उनका मुकाबला 2018 की जगह 2030 माडल कमल नाथ से है। भाजपा के जो लोग जुल्म और आतंक मचा रहे है, वे समझ लें। सब कान खोल कर सुन लें, पुलिस वाले वर्दी की इज्जत करें, कर्मचारी- अधिकारी, एसडीएम, कलेक्टर आपको ये जनता सर्टीफिकेट देगी। भाजपा की डराने और धमकाने की राजनीति अब नहीं चलेगी। पूर्व

मुख्यमंत्री कमल नाथ ने इशारों में ही हरसूद विधायक व वन मंत्री विजय शाह का नाम लिए बगैर लोगों से कहा कि अब किसी से डरने की जरूरत नहीं है। जननायक बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर हरसूद में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता को संबोधित करने से पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने पत्रकारों से चर्चा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार चुनाव के पूर्व जनहित की योजनाओं की बजाए लगातार कर्ज लेकर कमीशनबाजी में व्यस्त है।

एमपी में कोरोनाकाल के दौरान दर्ज 55,468 प्रकरण वापिस होंगे

भोपाल। प्रदेश में कोविड लॉकडाउन का पालन नहीं करने के कारण आमजनों पर धारा 188, 269, 270 एवं 271 भारतीय दण्ड विधान के अंतर्गत दर्ज कुल 55, 468 प्रकरणों को वापिस करने के आदेश गृह विभाग ने जारी कर दिये हैं।

गृह विभाग के प्रमुख सचिव राजेश राजौरा ने बताया कि कोविड लॉकडाउन के पालन नहीं करने के कारण आम जनों पर धारा 188, 269, 270, 271 भारतीय दण्ड विधान, महामारी अधिनियम 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अंतर्गत दर्ज सभी आपराधिक प्रकरणों को कोर्ट से वापस लेने के आदेश मुख्यमंत्री द्वारा गृह विभाग की समीक्षा के दौरान प्रदत्त निर्देश के क्रम में लोक हित में विधिवत आदेश जारी किए जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में पहले लॉकडाउन (20.3.20 से 30.6.20) में 32,463 प्रकरण धारा 188 आईपीसी में और 669 प्रकरण महामारी अधिनियम अंतर्गत दर्ज किए गए थे। दूसरे लॉकडाउन (13.3.21 से 19.6.21) में 22,336 प्रकरण धारा 188 आईपीसी में और 1,202 प्रकरण महामारी अधिनियम दर्ज हुए । उक्त आपराधिक प्रकरणों को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा इस बाबत जारी की गयी एडवायजरी को संज्ञान में लेते हुए तथा माननीय मुख्यमंत्रीजी के द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में व्यापक लोकहित में उक्त आदेश जारी किया जाना प्रक्रियाधीन है।

2 लाख से ज्यादा मिलेगा मंहगाई भत्ता, बस थोड़ा इंतजार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सरकारी कर्मियों और पेंशनरों को एक बड़ी सौगात देने जा रही है। इस पर किसी भी दिन मुहर लग सकती है। कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि के साथ ही अटका हुआ डीए का बकाया पैसा भी जल्द खाते में जमा कराया जाएगा।

अगर सरकार तोहफा देती है, तो वो सबका दिल जीतने के लिए काफी है। सरकार ने अभी इस तरह की दिक्कत का आधिकारिक तौर पर जिक्र नहीं किया। लेकिन, खबरों में बड़ा दावा किया जा रहा है, जिसका फायदा मिलने वाला है। बताया जा रहा है कि डीए में करीब 4 फीसदी की तेजी देखने को मिल सकती है। सरकार जल्द कर्मियों के डीए में लगभग 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा कर सकती है। इसके बाद डीए बढ़कर 46त्न हो जाएगा, जिससे न्यूनतम फंडामेंटल अर्निंग में रिकॉर्ड तोड़ ग्रोथ संभव मानी जा रही है। वर्तमान में महत्वपूर्ण कर्मियों व पेंशनरों को 42 प्रतिशत डीए का लाभ मिल रहा है।

सातवें वेतन आयोग के मुताबिक, अधिकारी साल में दो बार डीए बढ़ाएंगे, जिनके चार्ज जनवरी और जुलाई से लागू होते हैं। अगर अभी डीए में सुधार किया जाता है तो 1 जुलाई 2023 से इसकी दरें और बढ़ सकती हैं।

रिलीज से पहले विवादों में घिरी गदर- 2

नई दिल्ली। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फिल्म गदर एक प्रेम कथा ने काफी धमाल मचाया था। उस समय सिनेमा हॉल पूरा स्टेडियम बन गया था। ऐसे में अब बहुत जल्द गदर 2 आने वाली है, लेकिन उससे पहले एक सीन ने फिल्म को विवादों में डाल दिया है। दरअसल गदर 2 में सनी देओल द्वारा अमीषा पटेल को गुरुद्वारे में किस करते हुए का सीन लिया गया था।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर टू अगस्त में रिलीज होगी। ऐसे में फिल्म से जुड़ा गुरुद्वारे में फिल्माया गया सीन काफी विवादों में आ गया है। इसको लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आपत्ति जताई है और इस सीन की काफी निंदा की जा रही है। गुरुद्वारे के अंदर इस तरह का आपत्तिजनक सीन शूट करने को लेकर विरोध भी जता रहे हैं। फिल्म गदर 2 के इस सीन में सनी देओल और अमीषा पटेल को गुरुद्वारे के अंदर हाथ डाले देखा जा सकता है। सिख संस्था ने फिल्म के निर्देशक और मुख्य किरदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस मामले में एसजीपीसी के महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने बताया कि गुरुद्वारे में इस तरह का सीन अस्वीकार किया गया है।

स्विट्जरलैंड में छुट्टियां एंजॉय कर रही आईएएस-आईपीएस की जोड़ी

प्रशासनिक सेवाओं में कुछ आईएएस-आईपीएस की जोड़ियां बेहद चर्चित हैं। इन जोड़ियों में नवजोत सिमी और तुषार सिंगला भी हैं जो इन दिनों छुट्टियों पर विदेश की सैर कर रहे हैं। दोनों स्विट्जरलैंड में छुट्टियां एंजॉय कर रहे हैं। आईएएस तुषार सिंगला और आईपीएस नवजोत सिमी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं ट्विटर और इंस्टाग्राम पर दोनों के फॉलोअर्स उनको बहुत पसंद करते हैं। नवजोत सिमी आईपीएस और तुषार सिंगला आईएएस ने 14 फरवरी 2020 को वैलेंटाइन डे के खास अवसर पर शादी की थी। इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहीं इन वेकेशन फोटो से स्पष्ट पता चल रहा है कि दोनों तुषार का बर्थडे मनाने के लिए स्विट्जरलैंड गए। वायरल फोटो में इनकी मस्ती साफ नजर आ रही है। नवजोत सिमी आईपीएस बिहार के रोहतास जिले में स्थित डेहरी ऑन सोन में एसीपी पद पर कार्यरत हैं। जबकि पति तुषार सिंगला आईएएस पहले वेस्ट बंगाल कैडर में थे।

शिवराज और वीडी के नेतृत्व में ही होंगे चुनाव: मुरलीधर राव

सागर। प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होने सागर पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने कहा है कि प्रदेश में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में ही चुनाव होंगे।

यहां खास बात यह रही कि मीडिया ने जब सवाल किए तो राव भड़क उठे। प्रदेश में मंत्रियों के बीच चल रही अनबन और आगामी चुनाव के लिए सीएम के चेहरे की घोषणा को लेकर पूंछे गए सवाल पर मुरलीधर राव बोले कि मैं पत्रकारों के माध्यम से वोट मांगने नही आया हूँ। दरअसल, सागर के पदमाकर सभागार में आयोजित बीजेपी प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होने से पहले भाजपा प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। पत्रकारों के सवालों से झल्लाये राव ने कहा कि मैं यहां आपके माध्यम से वोट मांगने नही आया हूँ। इससे पहले के सवालों पर भी जवाब देने के बजाय मुरलीधर राव पत्रकारों को ही कटघरे में खड़े करते नजर आए। पत्रकार वार्ता में नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह, राजस्व और परिवाहन मंत्री गोविंद राजपूत सहित सांसद राजबहादुर और जिले के विधायक मौजूद थे।

भोपाल ननि नेता प्रतिपक्ष पर बेसबॉल बैट से हमला, पति भी घायल

भोपाल। नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी पर एक युवक ने जानलेवा हमला कर दिया। शबिस्ता के पति कांग्रेस के कार्यकारी जिला अध्यक्ष आसिफ जकी पर भी जानलेवा हमला हुआ है। दोनों को लहूलुहान हालत में चिरायु हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। एक एसआई के बेटे ने गुरुवार देर रात शबिस्ता और उनके पति पर हमला कर दिया। शबिस्ता के माथे पर गंभीर घाव हो गया है। विवाद एक प्लॉट के सामने लगे नो पार्किंग के बोर्ड को लेकर हुआ। घटना श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र की है।

27 साल बाद मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट फिर भारत में होगा

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े समारोह में से एक 'मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट' 27 साल बाद भारत लौट रहा है। इससे पहले 1996 में यह भारत में हुआ था। इस साल का मिस वर्ल्ड 2023 ब्यूटी पेजेंट समारोह फिर भारत में किया जाएगा। यह आयोजन नवंबर या दिसंबर में होगा। यह जानकारी गुरुवार को पिछले साल की मिस वर्ल्ड केरोलिना बीलास्का ने नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। इस दौरान मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन के चेयरपर्सन और सीईओ जिया मोरले भी मौजूद थी। ब्यूटी कॉन्टेस्ट में शामिल होने के लिए 130 से ज्यादा देशों की कंटेस्टेंट भारत आएंगी और यहां वो अपने टैलेंट, समझदारी को पेश करेंगी। इस दौरान ये तमाम कंटेस्टेंट कई पड़ाव से गुज़रेंगी, जिनमें टैलेंट शोकेस, स्पोर्ट्स की चुनौतियां और चैरिटी से जुड़ी चीज़ें होंगी। पार्टिसिपेंट्स को शॉर्टलिस्ट करने के लिए इस दौरान एक महीने में कई राउंड्स से होकर गुज़रना होगा। इसके बाद साल के आखिर में नवंबर/दिसंबर के महीने में मिस वर्ल्ड कॉम्पिटिशन का फाइनल राउंड होगा और हमें नई मिस वर्ल्ड मिलेगी। दुनिया के सबसे बड़े समारोह में से एक मिस वर्ल्ड ब्यूटी पेजेंट 27 साल बाद फिर से भारत में हो रहा है। इससे पहले 1996 में इसे भारत ने होस्ट किया था। रीता फारिया पहली भारतीय थीं, जिन्होंने साल 1966 में इस प्रतियोगिता में जीत हासिल की थी। भारत को इस प्रतियोगिता में 6 बार जीत मिली है।

आईडीए ने खाटू श्याम मेला आयोजको को 27 लाख का नोटिस थमाया

इंदौर। खाटू श्याम मंदिर के नाम पर विजयनगर चौराहे पर चल रहे समर कार्निवल मेले के खिलाफ कार्यवाही करते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने आयोजको को 27 लाख से अधिक जमा करने का नोटिस दिया है। प्राधिकरण ने करीब एक एकड़ जमीन पर मेला लगाने वाले आयोजकों को 3 दिन में जीएसटी सहित बकाया धन राशि जमा करने को कहा है।

विजय नगर चौराहे पर मेला आयोजको ने करीब एक एकड़ जमीन पर कमर्शियल मेला लगाया है। आयोजकों ने 5 हजार स्क्वेयर फीट जमीन के 2 लाख 15 हजार रूपए किराए के जमा करके 43 दिनों के लिए अनुमति ली। जब इस मामले का पर्दाफाश हुआ तो प्राधिकरण के ष्टश्वह ने टीम भेजकर मेला स्थल की नपती करवाई तो पूरा मामला सामने आया।

प्राधिकरण के सम्पदा अधिकारी वर्ग-2 ने आयोजकों को 5 जून को भेजे पत्र में कहा कि आपके द्वारा 63,602 स्क्वेयर फीट जगह पर मेले का संचालन किया जा रहा है। इसलिए तीन दिन में रूपये 27,34,902 रुपए किराया और

जीएसटी अतिरिक्त जमा करें, अन्यथा आपके विरूध कार्यवाही की जाएगी। विजय नगर चौराहे पर प्राधिकरण की जो जमीन है उसका क्षेत्रफल लगभग एक लाख वर्गफीट है और यह जमीन बेशकीमती है। 50 हजार वर्गफीट पर खाटू श्याम का दरबार और मेला लगा हुआ है। मेले में प्रवेश के लिए 30 रुपए की फीस तय है। इसके अलावा झूले का किराया अलग। शाम 4 से रात 11 बजे तक मेला चलता है। इस दौरान 3000 से अधिक लोग मेला देखने आते हैं। जिनके माध्यम से मेला संचालकों को रोजना डेढ़ लाख रुपए की कमाई हो रही है। पार्किंग का शुल्क भी तय है, जो अलग से लिया जाता है। दुकानदारों से भी पैसे लिए गए हैं।

दूसरी तरफ प्राधिकरण को महीनेभर चलने वाले इस मेले से किराए के तौर पर बमुश्किल एक लाख रुपए मिलना है। बाकी पूरी कमाई आयोजकों की होगी। किराया कम देने के लिए मैदान का कुछ हिस्सा ही किराए पर लिया गया है और उसी की अनुमति ली गई। मेले में बच्चों के लिए आकर्षक झूले ज्वाइंट व्हील बड़ा झूला, कोलंबस नाउ, ड्रैगन ट्रेन, टोरा टोरा, ब्रेक डांस मेरी ग्राउंड और बच्चो के आकर्षक झूले, सेल्फी जोन (एफिल टॉवर) व चाट चौपाटी भी है।

खाटू श्याम का मंदिर भी बनाया

आयोजन समिति का दावा है कि खाटू श्याम का दरबार मेले के रूप में पहली बार सजा गया। इस भव्य दरबार में बाबा खाटू श्याम की प्रतिमा, वहां की मिट्टी और ज्योत भी है। भक्तियुक्त माहौल बनाया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग मेले में शामिल हो सकें। मेला स्थल पर रोजाना रात 8 बजे आरती होती है जिसमें सनातन धर्म में आस्था रखने वालों को आमंत्रित किया जाता है। आयोजक संस्था द्वारा विधान सभा क्षेत्र-2 के विधायक रमेश मेंदोला का फोटो उपयोग किए जाने से विधायक रमेश मेंदोला भी नाराज हैं। उधर प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावडा ने संकेत दिए कि इस कारोबार को अधिक दिन नहीं चलने दिया जाएगा। जबकि, आयोजकों का कहना है कि मेले के पीछे हिन्दू संगठनों का हाथ है। लेकिन, हमारे ही लोग हमें बर्बाद करने पर तुले है। आयोजको ने आरएसएस और विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों को अपना दर्द बताया है।

चारधाम की यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं का किया स्वागत

केन्द्र और उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा को सरल बनाया: ढालिया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जीनगर समाज के 21तीर्थ यात्रियों का जत्था चार धाम और जगन्नाथ पुरी यात्रा कर सकुशल वापसी पर तीर्थयात्रियों का बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के अध्यक्ष अशोक सांकले, पृथ्वीराज चौहान, रमेश निर्वाण, प्रकाश डाबी, राम डाबी, राहुल चौहान,विशाल डाबी, ने यात्रा प्रभारी और वरिष्ठ समाजसेवी टीकम दास चौहान, भगवानदास ढालिया, नारायण चौहान,दिलीप डाबी,राजेश खींची, नितिन डाबी और तीर्थयात्रियों का मिष्ठान खिलाकर और पुष्प हार और गमछा ओढाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जीनगर ज्योति मंच के राष्ट्रीय संयोजक भगवानदास ढालिया ने बताया देश की पावन नदियों के जल से मंदिरों की प्रतिमाओं पर अभिषेक कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की जाएगी इस अवसर पर ढालिया ने चार धाम की दुर्गम यात्रा को सहज सरल और व्यवस्थित संपन्न करवाने पर देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्र,उत्तराखंड सरकार और स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद देते हुए आभार जताते हुए यात्रा संस्मरण भी उपस्थित जनों के समक्ष बताएं इस अवसर पर भारी संख्या में गणमान्य जन आदि उपस्थित थे

महापौर ने किया खानूगांव में संजीवनी क्लीनिक निर्माण हेतु भूमिपूजन

महापौर मालती राय ने खानूगांव में संजीवनी क्लीनिक निर्माण हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम द्वारा नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत लगीाग 25 लाख रुपये की लागत से संजीवनी क्लीनिक का निर्माण कराया जा रहा है। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुरूवार को वार्ड क्र. 08 के अंतर्गत खानूगांव में संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन अवसर पर कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के नागरिकों को स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली, बिजली आदि की सुविधाओं के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व से निर्मित संजीवनी क्लीनिकों के उन्नयन एवं अन्य स्थानों पर नवीन संजीवनी क्लीनिक का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में खानूगांव क्षेत्र में भी संजीवनी क्लीनिक का निर्माण किया जा रहा है। इसके निर्माण से इस क्षेत्र के नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भूमिपूजन अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य श्री मनोज राठौर, स्थानीय पार्षद सुश्री रेहाना सुल्तान, जोन अध्यक्ष श्री सूर्यकांत गुप्ता, पार्षद श्री विमलेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

प्राकृतिक तरीकों से ही स्वस्थ रहता है शरीर और मन: डॉ. टेवानी

शहीद हेमू कालानी सोसायटी में शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। शहीद हेमू कालानी एज्युकेशनल सोसायटी के 7 जून से 12 जून तक शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दूसरे दिन आरोग्य केन्द्र के डॉ. अर्जुन टेवानी ने अपने डॉक्टर खुद बनें विषय के अन्तर्गत शिक्षकगणों को प्राकृतिक चिकित्सा और अन्य चिकित्सा पद्धतियों के अंतर और प्राकृतिक चिकित्सा से होने वाले लाभों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस पद्धति में चिकित्सा बिना किसी दवाई के प्राकृतिक तरीके से की जाती है। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को अपने घर पर उपलब्ध साधनों से बिना किसी अतिरिक्त व्यय के स्वयं ही प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से अपनी तथा परिवार वालों की चिकित्सा करने के विषय में भी ज्ञान प्रदान किया। इस कार्यक्रम में सिद्ध भाऊ विशेष रूप से पूरे समय उपस्थित रहे। इसके साथ ही सोसाइटी के हीरो ज्ञानचदांनी, ए.सी. साधवानी, जयश्री मूर्ति, गोपाल गिरधानी, अजय बहादुर सिंह, राजेश लालवानी सहित संस्था के आठों स्कूलों के लगभग 200 शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा में मध्यप्रदेश देश में चौथा स्थान पर

भोपाल । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 7 जून 2023 को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री ने खाद्य सुरक्षा अंतर्गत किये गये कार्यों की 2022-2023 वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें राज्यों द्वारा किये गये कार्यों हेतु स्टेट रैंकिंग जारी की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य को देश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश राज्य को 2021-2022 में सातवा स्थान प्राप्त हुआ था। मध्यप्रदेश राज्य ने इस वित्तीय वर्ष 2022-2023 में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डॉ. सुदाम खाडे के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विशेष प्रयास कर 3 रैंक की बढ़ोतरी कर देश में चौथा स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश को गौरवांवित किया। इसी प्रकार भोपाल, ग्वालियर जिले ने ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता फेस 2 में देश में दूसरा एवं पांचवा स्थान प्राप्त किया। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा 7 जून 2023 को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख माण्डवीया एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री एस.पी.एस. बघेल द्वारा खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. सुदाम खाडे को पुरूस्कृत किया गया।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट की छात्राओं ने सामाजिक सरोकार के लिए कई गांवों में किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की छात्राएं हमेशा सामाजिक सरोकार में आगे रहकर अपना दायित्व निभाती हैं। इसी श्रंखला में ऐम. बी. ए. इंटीग्रेटेड की छात्राओं ने यूनिसेफ एवं जिला पंचायत भोपाल के विशेष सहयोग से भोपाल के समीपस्थ गांवों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान एवं मासिक धर्म जैसे विषयों पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम की रूपरेखा कई दिनों पहले से लिखी गयी थी।

जिसमें छात्राओं ने सर्वप्रथम आठ दिवसीय कार्यशाला में हिस्सा लेकर शहर के वरिष्ठ रंगकर्मियों से नुक्कड़ नाटक की विभिन्न विधाओं पर प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इसके उपरांत छात्राओं ने विभिन्न क्लब के माध्यम से संस्थान में उपरोक्त विषयों पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए छात्राओं ने विभिन्न क्लब की टीम बनाकर ग्राम तूमड़ा, बरखेड़ा नाथू, मुगलिया छाप, फंदा, परवलिया, तारा सिवनिया, मुगलिया हाट, झिरनिया एवं बगोनिआ में जाकर ग्राम की महिलाओं एवं युवतियों के समक्ष नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के पश्चात

छात्राओं द्वारा उक्त ग्राम की महिलाओं एवं युवतियों को सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। पर्यावरण दिवस पर डेल्ही पब्लिक स्कूल कोलार में भी 500 ऐन. सी. सी. कैंप की छात्राओं के समक्ष नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. शालू पांडे ने बताया कि नुक्कड़ नाटक के जरिये समाज की बुराइयों को दूर किया जा सकता है। इस पहल को सभीजनों ने मुक्तकंठ से सराहा एवं कहा कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उनकी अनेक भ्रांतियाँ दूर हुई। इससे प्रभावित होकर अब वे भी सामाजिक बदलाव को अपनाएंगी एवं इस सन्देश को सभी तरफ प्रसार करेंगी, ताकि एक स्वच्छ एवं बेहतर समाज की नींव रखी जा सके। इस प्रयास में जिला पंचायत से सुश्री आशा राय का विशेष योगदान रहा। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी ने संस्थान की छात्राओं को इस अभिनव प्रयास के लिए बधाई प्रेषित की।

वित्त मंत्रालय ने इंडसइंड बैंक को एजेंसी बैंक के रूप में पैनल में शामिल किया

भोपाल। इंडसइंड बैंक ने आज घोषणा की कि उसे मध्य प्रदेश राज्य सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अधिकृत %एजेंसी बैंक% के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति इंडसइंड बैंक को राज्य सरकार के राजस्व और प्राप्तियों जैसे जीएसटी और वैट के ऑनलाइन संग्रह, मध्य प्रदेश राज्य सरकार की ओर से स्टांप शुल्क और पेंशन राशि के संग्रह के लिए सक्षम बनाएगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य मध्य प्रदेश में व्यावसायिक समूहों, राज्य सरकार के विभागों और व्यक्तियों के लिए राज्य सरकार को आसानी से और वास्तविक समय के आधार पर भुगतान करना आसान बनाना है। इससे बैंक शाखाओं में व्यक्तिगत रूप से जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इंडसइंड बैंक के उपभोक्ता बैंकिंग और विपणन प्रमुख सौमित्र सेन ने इस प्रगति पर बोलते हुए कहा, हमें राज्य सरकार के राजस्व और प्राप्तियों के ऑनलाइन संग्रह के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा एजेंसी बैंक के रूप में नियुक्त किए जाने पर गर्व है। इंडसइंड बैंक अपने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के साथ-साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि हम सरकार, उसके उद्यमों, साथ ही साथ अन्य सभी हितधारकों के पसंदीदा भागीदार होने के नाते उनकी आवश्यकताओं और वित्तीय आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

स्वराज ट्रैक्टर्स की पहल, बागवानी खेती होगी आसान

भोपाल। महिंद्रा समूह की सहायक कंपनी स्वराज ट्रैक्टर्स ने महत्वपूर्ण बहुपयोगी फार्म मशीनीकरण समाधान कोड पेश किया, जो मध्य प्रदेश में बागवानी खेती में बदलाव लाने के लिए तैयार है। स्वदेशी रूप से तैयार किए गए इस समाधान का उद्देश्य श्रम-गहन प्रक्रियाओं को खत्म करना और राज्य में किसानों के लिए दक्षता बढ़ाना है। कोड सबसे कम जगह घेरने वाली और सबसे हल्की राइड-ऑन मशीन है जिसे विशेष रूप से सोयाबीन, कपास, मूंगफली, गन्ना, संतरे, टमाटर, मिर्च, आम और अमरूद सहित विभिन्न फसलों के अंतर-कृषि कार्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपनी नवीन विशेषताओं के साथ, ष्टह्रष्ठश्व एक छोटा टर्निंग रेडियस प्रदान करता है, जो बागवानी फसलों की खेती करने वाले छोटे खेतों में बेहतर गतिशीलता सुनिश्चित करता है।

सहायक लोको पायलट क्रूरू रिव्यू हटाने के आदेश

भोपाल । वेस्ट सेन्ट्रल रेल्वे मजदूर संघ के जोनल मीडिया कॉर्डिनेटर रोमेश चौबे ने बताया कि मजदूर संघ के साथ पश्चिम मध्य रेलवे की हेड क्वार्टर पीएनएम में संघ के महामंत्री अशोक शर्मा ने महाप्रबंधक सेशन में सहायक लोको पायलट189 पदों का क्रूरू रिव्यू जो की ऊपरी स्तर से मना कर दिया गया था जिसे अभी रोका गया था उसे हटाने अपनी बात मजबूती रखी । उनकी बात पर महाप्रबंधक द्वारा तत्काल इसके आदेश दिए गए और उसके बाद बुधवार को इसके आदेश देकर नोटिफिकेशन जारी किया गया। बुधवार को डबल्यूसीआरएमएस के पीएनएम का महाप्रबंधक ने कर्मचारी हित में डबल्यूसीआरएमएस की मांग को ध्यान में रखते हुए फैसला दिया। उस निर्णय के बावजूद त्नरूसाहब ने स्वीकृत करने का निर्णय दिया एवं इसकी घोषणा उन्होंने डबल्यूसीआरएमएस के पीएनएम जी एम एजेंडा मीटिंग किया।

अवकाश की घोषणा के स्थान पर मांगे पूरी करें सरकार: पांडे

म प्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के कर्मचारियों को अवकाश लाभ देने की बजाय उनकी मांगों को पूरा करने का निर्णय ले, जिससे कर्मचारियों को उनके अधिकार प्राप्त हो सकें। वित्तीय लाभ मिल सके। यह मांग आज मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर की है। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप जयंती परशुराम जयंती चित्रगुप्त जयंती बिरसा मुंडा जयंती नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर अवकाश देकर समाजों को सम्मान देने का काम किया है ना कि सरकारी कर्मचारियों को लाभ दिया है। सरकार ने कभी भी सरकारी कर्मचारियों के सम्मेलन में अवकाश की घोषणा नहीं की है। ना ही सरकारी कर्मचारियों ने कभी सरकार से अवकाश देने की मांग ही की है। कर्मचारियों के लिए शनिवार रविवार का अवकाश राष्ट्रीय अवकाश आकस्मिक अवकाश सवैतनिक अवकाश मेडिकल अवकाश ही पर्याप्त हैं, क्योंकि छुट्टी के बाद कार्यालय खुलने पर कर्मचारियों पर काम का दुगना भार पड़ता है। सरकार कर्मचारियों को अवकाश देने की घोषणा करके कर्मचारियों पर काम का और ज्यादा भार बढ़ा रही है। कर्मचारी सदैव अपनी न्यायोचित लंबित मांगों को पूरा करने की मांग सरकार से करते आ रहे हैं। सरकार कर्मचारियों को अवकाश लाभ देने की वजाय उनकी पुरानी पेंशन योजना (ओ पी एस) का लाभ देने, एरियर सहित लंबित महंगाई भत्ते का लाभ देने, वृत्ति कर समाप्त करने, अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने, अस्थायी कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ देने, स्थायी कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ देने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने, मानदेय पर कार्यरत कर्मचारियों को कलेक्टर दर का वेतन देने की मांग को मंजूर करें तो कर्मचारियों को वास्तविक लाभ होगा।

बोर्ड परीक्षा परिणामों में जी बी कॉन्वेंट हाई सेकेंडरी स्कूल बेहतर

भोपाल। बोर्ड परीक्षा प्रणाम मुंबई शहर में सबसे उत्कृष्ट रिजल्ट जीबी कान्वेंट स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल शंकराचार्य नगर नगर स्टेशन क्षेत्र भोपाल का रहा यहां पांचवी एवं आठवीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम में शत-प्रतिशत रिजल्ट रहा आठवीं की बोर्ड परीक्षा में सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। जीबी कॉन्वेंट हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल अनिल चौधरी बताएं कि यह संस्था 1990 से संचालित की जा रही है दसवीं की परीक्षा में प्रणाम 79 प्रतिशत एवं उच्चतम अंक 94.7 प्रतिशत रही जबकि 12वीं कक्षा में 82 प्रतिशत विद्यार्थी सफल एवं 92 प्रतिशत उच्चतम अंक हासिल किए अनिल चौधरी ने बताया कि बच्चों की शिक्षा के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के विशेष कक्षाएं संचालित की जाती है अनुज चौधरी ने कहा कि संस्था के संचालक विमलेश ठाकुर के सतत मार्गदर्शन में जीबी कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के जरिए अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता रहेगा।

लाभार्थी सम्मेलन स्थल का निगम अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने आगामी 10 जून को अटल पथ पर लाड़ली बहना योजना के तहत आयोजित होने वाले लाभार्थी सम्मेलन के आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और सम्मेलन के आयोजन के सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्व बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री रामदयाल प्रजापति, अपर आयुक्त एम.पी.सिंह, सहायक आयुक्त ी एकता अग्रवाल सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने गुरूवार को अटल पथ पर लाडली बहना योजना के अंतर्गत शनिवार, 10 जून 2023 को होने वाले लाभार्थी सम्मेलन की तैयारियों को बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। निगम अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महत्वकांक्षी लाडली बहना योजना के तहत लाभार्थी सम्मेलन हेतु आयोजन स्थल एवं उसके आसपास तथा पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था के साथ ही हितग्राही बहनों के लिए बेहतर एवं सुविधापूर्ण परिवहन आयोजन स्थल पर बैठक व्यवस्था के साथ ही पर्याप्त मात्रा में पेयजल आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने को कहा। श्री सूर्यवंशी ने जोनल अधिकारियों से कहा कि हितग्राही बहनों को समय से पूर्व कार्यक्रम स्थल पर लाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

भूरीटेक में बनाई लाड़ली बहना सेना, संभागायुक्त ने योजना के स्वीकृति पत्र वितरित किए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के स्वीकृति पत्र वितरित करने के लिए सीहोर जिले भर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा बहनों को लाड़ली बहना योजना के प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे है। इसी क्रम में सीहोर जिले के बुधनी जनपद के ग्राम भूरीटेक में ग्रामसभा में संभागायुक्त श्री मालसिंह ने 102 महिलाओं को लाडली बहना योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए। ग्राम पंचायत बोरदी के ग्राम भूरीटेक में

ग्रामसभा में संभागायुक्त श्री मालसिंह ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का बहनों के नाम संदेश का वाचन भी किया। ग्रामसभा में लाडली बहना सेना भी बनाई गई। इस अवसर पर संभागायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर होंगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 जून को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की सभी लाडली बहनों के खाते में राशि हस्तांतरित करेंगे। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रूपए की राशि से महिलाएं अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा कर पाएंगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों की समस्याए भी सुनी और ग्रामवासियों की शिकायतों के निराकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्रामसभा में एसडीएम राधेश्याम बघेल, बुधनी जनपद सीईओ देवेश सराठे, नायब तहसीलदार जयपाल उइके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

3 उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु 15 जून तक प्रस्ताव आमंत्रित

भोपाल। भोपाल जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान विहीन 3 ग्राम पंचायतों में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान खोलने के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक आमंत्रित किए गए हैं, पूर्व में यह तिथि 7 जून निर्धारित थी। ग्रामीण क्षेत्र के नवीन परिसीमन पश्चात भोपाल जिले में 3 ग्राम पंचायतें शासकीय उचित मूल्य दुकान विहीन है जिन के लिए एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक सुश्री मीना मालाकार ने बताया कि पात्र संस्थाओं से उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायतों में नवीन उचित मूल्य दुकान खोलने की प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जाएगे। सुश्री मालाकार ने बताया कि हुजूर विकासखंड में उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायत हुजूर में गुराडिया, पिपलिया रानी, झागरिया खुर्द में नवीन शासकीय मूल्य उचित दुकान खोली जानी है। इन ग्राम पंचायतों में उचित मूल्य की दुकान के लिए एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है । सुश्री मालाकार ने बताया कि ऐसी संस्था जिनका पंजीयन उचित मूल्य दुकान आवंटन के लिए आवेदन दिनांक से एक वर्ष नहीं होने पर, ऐसी संस्था दुकान आवंटन के लिए पात्र नहीं होगी।

बेहट अब तानसेन नगर होगा महाविद्यालय भी खुलेगा

मुख्यमंत्री ने टिकटौली माइक्रो सिंचाई परियोजना सहित 101 करोड़ से अधिक लागत के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गान महर्षि संगीत सम्राट तानसेन की जन्म-स्थली बेहट में सरकार का खजाना खोल कर बहुप्रतीक्षित बड़े-बड़े विकास कार्यों की सौगातें दी। उन्होंने बेहट के कृषि उपज मंडी परिसर में हुए भव्य समारोह में मौजूद विशाल जन-समूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में वर्तमान में विकास कार्यों के साथ सामाजिक क्रांति और प्रदेशवासियों को आत्म-निर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का दौर चल रहा है। इसी दिशा में सरकार ने क्रांतिकारी मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना शुरू की है। समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने की। मुख्यमंत्री चौहान ने समारोह में महात्वाकांटिकटौली माइक्रो सिंचाई परियोजना सहित 101 करोड़ रूपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण रिमोट का बटन दबा कर किया। साथ ही बेहट में महाविद्यालय खोलने और बेहट का नाम तानसेन नगर करने, क्षेत्र में स्थित अंजनी माता मंदिर के जीर्णोद्धार के लिये एक करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराने और क्षेत्र के चंदीला डैम का जीर्णोद्धार तकनीकी परीक्षण के आधार पर कराने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री चौहान ने मुरार ग्रामीण क्षेत्र में खुरैरी से बिजौली-गुंधारा-जिगनिया होते हुए गुहीसर सड़क की प्रशासकीय स्वीकृति भी जल्द जारी कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा भदावना, बेहट, काशीबाबा एवं देवग? को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है, जिसे मंजूरी दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बहनों के साथ पूरे परिवार की जिंदगी बदलने के लिये सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लागू की है। युवाओं को आत्म-निर्भर बनाने के लिये मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना में सरकार युवाओं को 700 प्रकार के कामों का विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं में प्रशिक्षण दिलायेगी, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। काम सीखने के बदले में सरकार हर युवा को उनके कौशल अनुसार प्रोत्साहन स्वरूप 8 से 10 हजार रूपए प्रतिमाह देगी। इसी माह 15 जून से योजना में पंजीयन शुरू हो जायेगा। प्रदेश में वर्तमान में एक लाख सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रचलन में है। यह भर्ती पूरी होते ही 50 हजार और भर्ती शुरू की जायेगी।

सब लेफ्टिनेंट पद पर चयनित भोपाल की बेटी काजल चौधरी का दिग्विजय सिंह ने सम्मान किया

भोपाल। भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट पद पर चयनित हुई भोपाल की बेटी काजल चौधरी का पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सम्मान किया। पूर्व सीएम ने काजल चौधरी के पूरे परिवार को अपने भोपाल स्थित निवास पर आमंत्रित कर काजल को पुष्प गुच्छ भेंट कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बड़ी बात ये है कि भारतीय नौ सेना के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल में सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयन के लिए हुई परीक्षा में समूचे देश में 5 लोगों का चयन हुआ और उन पांच के पांच पदों पर बेटियों ने बाजी मारी है। जिसमें पूरे मध्यप्रदेश से एकमात्र सुश्री काजल चौधरी का इस पद के लिए चयन हुआ है।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने काजल चौधरी व उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह ना सिर्फ भोपाल के लिए बल्कि समूचे मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है कि काजल ने अपनी मेहनत और लगन से भारतीय नौसेना में अपनी जगह बनाकर हम सब का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर सुश्री काजल चौधरी के साथ उनके पिता श्री राजेंद्र सिंह चौधरी, माता श्रीमती संगीता चौधरी, भाई प्रशांत चौधरी, कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी विशेष रूप से मौजूद थे।

किसान संघ ने मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं से कराया अवगत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय किसान संघ का प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को किसान मंच की बैठक में प्रदेश के किसानों की समस्या को लेकर वल्लभ भवन पहुंचा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि मंत्री कमल पटेल व प्रमुख सचिव इकबाल सिंह की उपस्थिति में प्रदेश के किसानों की राजस्व, बिजली, सिंचाई, खाद, बीज, नहर, कृषक उत्पादक समूह, न्यूनतम समर्थन मूल्य की विभिन्न समस्याओं को रखा। भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने किसानों की बिजली संबंधी समस्याओ को रखते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि सरकार मुख्यमंत्री स्थाई कृषि पंप अनुदान योजना को तत्काल प्रारंभ करे। साथ ही मांग की कि क्षमता से अधिक भार वाले ट्रांसफार्मरों पर आवश्यकता अनुसार क्षमता बढ़ाई जाए और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाए। कर्जमाफी के कारण डिफाल्टर हुए किसानों का संपूर्ण ब्याज माफ करने की मांग रखते हुए दो लाख की सीमा समाप्त करने के लिए भी मुख्यमंत्री से कहा। प्रदेश मंत्री आर सी पटेल दमोह जिले की सीतानगर सिंचाई परियोजना से वंचित गांवों के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के आदेश दिए। मालवा प्रांत से आए किसानों ने मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना, नकली बीज की समस्या, बीजों व उर्वरकों की प्रमाणिकता सत्यापन, नहरों का मरमतीकरण, सीएम सम्मान निधि जैसे किसानों के अनेक विषयों को रखा। मध्यभारत प्रांत के अध्यक्ष कैलाश ठाकुर ने सभी मंडियों में मानक परीक्षण मशीन व 10 टन के तौल कांटे लगाने, सीसीटीवी लगाने, बंद मंडी चालू कराने की मांग सरकार के मुखिया के सामने रखी। भारतीय किसान संघ के प्रदेश भर से आए प्रमुख पदाधिकारियों के साथ हुई किसान मंच की बैठक में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्रमुख सचिव इकबाल सिंह बैंस की उपस्थिति में किसानों से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को समस्या समाधान की दिशा में तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामभरोस वसोतिया, क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर, प्रांत संगठन मंत्री भरत पटेल, मनीष शर्मा, अतुल माहेश्वरी, प्रदेश कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी, प्रदेश मंत्री नारायण यादव, प्रांत संयोजिका गिरजा ठाकुर, मालवा प्रांत महामंत्री रमेश दांगी, प्रांत अध्यक्ष कैलाश ठाकुर, सूर्या जी, प्रदेश उपाध्यक्ष ओमनारायण पचौरी, नमो नारायण दीक्षित, पवन शर्मा, प्रकाश रघुवंशी, आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कोविड लॉकडाउन में दर्ज साधारण आपराधिक प्रकरण वापस होंगे

भोपाल। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की एडवाइजरी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गृह विभाग की समीक्षा के दौरान दिए गए निर्देश अनुसार व्यापक लोकहित में कोविड लॉकडाउन के दौरान दर्ज सभी साधारण आपराधिक प्रकरणों को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शीघ्र ही आदेश जारी किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि कोविड लॉकडाउन का पालन नहीं करने के कारण आमजन पर धारा 188, 269, 270, 271 भारतीय दण्ड विधान, महामारी अधिनियम 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 अंतर्गत प्रकरण दर्ज हुए थे। प्रदेश में पहले लॉकडाउन में 20 मार्च से 30 जून 2020 की अवधि में 32 हजार 463 प्रकरण की धारा 188 में और 669 प्रकरण महामारी अधिनियम अंतर्गत दर्ज किए गए थे। दूसरे लॉकडाउन में 13 मार्च से 19 जून 2021 की अवधि में 22 हजार 336 प्रकरण ी धारा 188 में में और 1,202 प्रकरण महामारी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज हुए थे।

नि:शक्तजन आयुक्त ने चलित न्यायालय में की 93 प्रकरण की सुनवाई

भोपाल। दिव्यांगजनों के लिये राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाऐं चलाई जा रही है। दिव्यांगजन जागरूक होकर जानकारियों को एक-दूसरे के साथ सांझा करें। आयुक्त नि:शक्तजन संदीप रजक ने गुरूवार को जिला दिव्यांग एवं पुर्नवास केन्द्र बड़वानी में चलित न्यायालय में दिव्यांगजनों से सुनवाई करते हुये कहा। उन्होंने 93 प्रकरण की सुनवाई की। दिव्यांगजनों ने पेंशन, सहायक उपकरण और विशेष आरक्षण से सम्बंधित आवेदन दिए। बड़वानी निवासी जिशान के पिता हसीर अहमद शेख एवं सेंधवा निवासी 8 वर्षीय जुनेदा सैय्यद की माँ ने आवेदन देकर दिव्यांगता पेंशन एवं सहायक उपकरण की माँग किये जाने पर आयुक्त नि:शक्तजन ने सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को निर्देश दिए कि दोनों दिव्यांग बच्चे एक से अधिक प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित हैं। इसलिए इन बच्चों को 600 रूपये विकलांगता पेंशन और 600 रूपये सामाजिक सहायता अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाए। एलिम्को से जिशान को ट्रायसिकल एवं जुनेदा को सीपी चेयर भी उपलब्ध कराई जाये। सामाजिक न्याय विभाग मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने भी चलित न्यायालय का निरीक्षण कर दिव्यांगजनों को पात्रतानुसार लाभ देने के निर्देश दिये। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग और दिव्यांगजन उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने एफएलसी कार्य का अवलोकन किया

भोपाल। प्रदेश के 15 जिलों में 7 जून से भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बेल) बेंगलुरू के इंजीनियरों द्वारा ईवीएम, व्हीव्हीपीएटी की एफएलसी की जा रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने आज भोपाल जिले के ईवीएम वेयर हाउस (गोडाउन) पहुँच कर एफएलसी (फर्स्ट लेवल चेकिंग) प्रक्रिया का अवलोकन किया। एफएलसी कर रहे भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड बेल के इंजीनियरों से ईवीएम, व्हीव्हीपीएटी को लेकर चर्चा की। सीसीटीवी कैमरा, बैलेट यूनिट एवं कंट्रोल यूनिट कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। ईवीएम वेयर हाउस की साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल आशीष सिंह, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

50 हज़ार युवा होंगे रोजगार कौशल में प्रशिक्षित

राज्य सरकार युवाओं को अवसर देकर उनके सपनों को पूरा करने संकल्पितः यशोधरा राजे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोज़गार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया की उपस्थिति में मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास और रोज़गार निर्माण बोर्ड ने बेंगलुरू स्थित व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक परिवर्तन फ़ाउंडेशन उन्नति संस्था के साथ 50 हज़ार युवाओं के रोज़गार कौशल प्रशिक्षण के लिए 3 साल से अधिक के लिए साझेदारी की है। संस्था प्रथम वर्ष में 15 हज़ार युवाओं को रोज़गार कौशल में प्रशिक्षित करेगी।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि हम युवाओं के सपनों को पूरा करने और उन्हें हासिल करने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। युवाओं को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देकर उनके कौशल को निखारने के उद्देश्य से ग्लोबल स्किल्स पार्क का निर्माण प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से युवाओं को अंग्रेज़ी संचार, आत्म-विश्वास निर्माण निरंतर सीखने और इंटरव्यू क्रेक करने की क्षमता से जुड़े 4 प्रमुख क्षेत्रों में मदद मिलेगी। श्रीमती सिंधिया ने ऑनलाइन जुड़े बोइंग एवं इंफोसिस कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से भोपाल में विकसित किए जा रहे ग्लोबल स्किल्स पार्क में अपनी कंपनी की लेब स्थापित कर मध्यप्रदेश के छात्रों को रोज़गार हेतु प्रशिक्षित करने का आग्रह किया । उल्लेखनीय है कि शासकीय डिग्री, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए उन्नति संस्था द्वारा कार्यक्रम हङ्ग्ज़ में विभिन्न सरकारी कॉलेजों के छात्रों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसकी अवधि लगभग 165 घंटे होगी जो 30 दिनों में पूर्ण की जाएगी। कक्षा में ऑफ़लाइन-सत्र प्रतिदिन 3 घंटे की कक्षाओं के साथ लगभग 90 घंटे का होता है।

सामाजिक न्याय मंत्री ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया

भोपाल। दिव्यांगता एक शारीरिक विकृति है, दिव्यांगजन इसे अपनी मजबूरी नहीं बल्कि इसे ताकत बनाकर जीवन में आगे बढ़े। ईश्वर ने दिव्यांगजनों को किसी न किसी फील्ड में विशेष रूप से कौशल प्रदान किया है। दिव्यांगजन अपने कौशल एवं सहायक उपकरणों की मदद से स्वयं को मजबूत बना कर निरन्तर आगे बढेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। सामाजिक न्याय मंत्री प्रेमसिंह पटेल गुरूवार को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र बड़वानी में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। एलिम्को उज्जैन की टीम द्वारा लगाये गये शिविरों में चयनित दिव्यांगजनों को एक से 6 मई तक उपकरण वितरित किये गए।

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल - 31, ट्राइसाइकिल - 136, व्हील चेयर - 65,सी. पी. चेयर - 13, बैशाखी - 130, छड़ी - 74, श्रवण यंत्र - 74, कृत्रिम अंग - 82, अन्य 78 उपकरण वितरित किये। इस तरह 700 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण चलित न्यायालय द्वारा किया गया। विकासखण्ड सेंधवा के ग्राम पांजरिया निवासी दिव्यांग दम्पति श्री सुरेश डुडवे एवं श्रीमती सीता दिव्यांगजनों की मोटराइज्ड ट्रायसिकल पाकर बेहद खुश हुए। श्री हुडवे ने बताया कि उनका विवाह 7 माह पहले ही हुआ है। विवाह के पहले परिवार के सहारे गुजर-बसर कर लेते थे, विवाह के बाद जिम्मेदारियॉ बढ़ने से आजीविका की चिन्ता सताने लगी। अब मोटराइज्ड ट्रायसिकल मिलने से वे दोनों अलग-अलग काम कर अपने जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ायेंगे।

उपभोक्ता संतुष्टि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : ऊर्जा मंत्री

तोमर ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बिजली उपभोक्ताओं की संतुष्टि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। बिल संबंधी शिकायतें हों या खराब मीटर बदलने की, सभी तरह की शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में होना चाहिये। समय पर निराकरण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाये। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बैठक के दौरान भिण्ड के बिजली उपभोक्ता हरिकिशन गुलाटी को फोन कर उनकी समस्या के बारे में जानकारी ली। गुलाटी से विस्तार से अपनी समस्या बताई। श्री तोमर ने कहा कि एक हफ्ते में आपकी समस्या का निराकरण सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समस्याओं के निराकरण के बाद उपभोक्ताओं को अवगत भी कराया जाये।

सभी कार्यालयों में उपलब्ध हो जरूरी सामग्रीः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सभी कार्यालयों में जरूरी उपकरण और सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिये, जिससे बिजली लाइनों में कोई भी फॉल्ट आये, तो तुरंत सुधारा जा सके। उन्होंने कहाकि वे स्वयं अधिकारियों के साथ स्टोर में उपलब्ध सामग्रियों का निरीक्षण करेंगे।

कम से कम हो ट्रिपिंग

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आरडीएसएस योजना में बिजली की ट्रिपिंग कम से कम होनी चाहिये। सर्वाधिक ट्रिपिंग वाले 3-3 फीडरों की समीक्षा करें। ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों का मेंटीनेंस निर्धारित मापदण्ड के अनुसार होना चाहिये। वरिष्ठ अधिकारी मेंटीनेंस का सतत निरीक्षण करें। आगामी रबी सीजन में भार वृद्धि के दृष्टिगत अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि करें। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि वर्ष 2023-24 में प्रस्तावित के कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाये। इसमें किसी भी स्तर काविलंब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। ऊर्जा मंत्री ने मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी के कार्यों की समीक्षा कर कम्पनी की संगठनात्मक संरचना में वृद्धि के बारे में भी चर्चा की। श्री तोमर ने कहा कि सभी स्वीकृत कार्यों को मिशन मोड में पूरा करें। अति उच्च-दाब ट्रांसफार्मरों के फेल होने और लाइनों के टॉवर गिरने की घटनाओं को शून्य अथवा न्यूनतम स्तर तक लाने की कार्य-योजना बनायें। बताया गया कि अतिउच्च-दाब लाइनों में ट्रिपिंग के कारण होने वाले व्यवधान में इस वर्ष कमी आई है।

प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे, मध्यप्रदेश पॉवर मेनेजमेंट कम्पनी के एमडी श्री रघुराज राजेन्द्रन, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के एमडी श्री गणेश शंकर मिश्रा, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के एमडी श्री अनय द्विवेदी, पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी के एमडी श्री सुनील तिवारी सहित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

शिप्रा के लिए एक और प्रोजेक्ट!

मोक्ष दायिनी शिप्रा नदी को पहले नर्मदा के पावन जल से प्रवाहमान किए जाने की योजना चालू की गई थी। इसके सफल होने का दावा भी किया गया था, लेकिन शिप्रा प्रवाहमान नहीं हो पाई। और न ही शिप्रा के शुद्ध जल में पवित्र स्नान का सपना लोगों का पूरा हो सका। अब शिप्रा को प्रवाहमान करने के लिए नमामि गंगे प्रोजेक्ट का सहारा लिया जा रहा है।

पवित्र नगरी उज्जयिनी में शिप्रा के स्नान से मोक्ष मिलता है। यह माना जाता है। यहां सिंहस्थ का आयोजन होता है, जिसमें लाखों लोग जुटते हैं। यही नहीं भगवान महाकाल की नगरी होने का गौरव भी इसी उज्जयिनी को है। इसके बाद भी पावन नदी शिप्रा को पुनर्जीवन देने के प्रयास असफल ही होते आए हैं। आज ही खबर आई है कि शिप्रा को नमामि गंगे प्रोजेक्ट में शामिल किया जा रहा है।

इसके तहत शहर के दूषित पानी को ट्रीट करके यानि साफ करके नदी में छोड़ जाएगा। साथ ही सिंचाई के लिए भी किसानों को पानी मुहैया करवाएंगे। केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने शिप्रा को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन में शामिल करते हुए उक्त प्रोजेक्ट के लिए 92.78 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति 3 मई 23 को जारी की थी।

दो दिन पहले हुई मेयर इन कौंसिल की बैठक में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने के बाद पीएचई के अधिकारी टेंडर प्रक्रिया की तैयारी में जुट गए हैं। यह परियोजना कंसल्टेंट एजेंसी मेसर्स रूद्राभिषेक इंटरप्राइजेस प्रालि (आरईपीएल) नोएडा द्वारा तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत उज्जैन के ही पीलिया खाल नाले पर 22 एमएलडी क्षमता का एसटीपी स्थापित होगा। वहीं भैरवगढ़ नाले पर 2.38 एमएलडी क्षमता का वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित होगा। यहां एक सीवेज पंपिंग स्टेशन भी स्थापित होगा।

यानि अब दूषित जल को साफ करके शिप्रा को जीवन दिया जाएगा। इसके पहले नर्मदा नदी का जल शिप्रा में छोड़ने के लिए बाकायदा लाइन बिछाई गई थी। उज्जैन, शाजापुर जिले के 100 गांवों की 30 हजार हेक्टेयर जमीन की सिंचाई करने और लोगों की पेयजल एवं औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 26 सितंबर 2018 को नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना का भूमिपूजन किया था। नर्मदा से उज्जैन, उन्हेल, नागदा के लोगों की घरेलू और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1856 करोड़ रुपये की नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना पर काम किया गया था, यह योजना इसी साल पूरी हो पाई। लेकिन नर्मदा नदी का पानी तो सिंहस्थ के समय ही छोड़ दिया गया था। इस योजना में एक तकनीकी मुद्दा यह था कि नर्मदा नदी की पाइप लाइन करोड़ों खर्च करने के बाद भी नीचे थी और उससे शिप्रा का स्तर ऊंचा था। सो उलीच कर पानी भेजने पर करोड़ों खर्च किए गए। हालांकि अधिकारी अभी भी कह रहे हैं कि उज्जैनवालों को नियमित घरेलू और औद्योगिक कार्य के लिए पाइपलाइन के माध्यम से पानी मिला करेगा।

तब कहा गया था कि 1400 मिलीमीटर व्यास की पाइपलाइन के जरिये ओंकारेश्वर जलाशय से 15 क्यूसेक (15 घन मीटर प्रति सेकंड) नर्मदा का जल शिप्रा, गंभीर और काली सिंध नदी के कछारों तक लाया जाएगा। इससे उज्जैन, शाजापुर, मक्सी में जल संकट सदा के लिए समाप्त हो जाएगा। प्रोजेक्ट 42 महीने में यानी जनवरी-2022 तक पूरा हो जाएगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। अब इस प्रोजेक्ट का मामला कहां है, कोई नहीं बता रहा। हां, नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत दूषित पानी को शिप्रा में मिलाने की मंजूरी भी हो चुकी है। इसके बाद भी शिप्रा में शुद्ध पानी मिल पाएगा, इसकी गारंटी नहीं है। करोड़ों खर्च करने का शौक ही शासन और प्रशासन का पूरा होता दिख रहा है। उन्हें तो फायदा ही होता है, जितनी परियोजना लेट होती है, उतनी राशि बढ़ जाती है, कमीशन भी बढ़ जाता है। और नौकरी भी चलती रहती है। फिर प्रोजेक्ट फेल हो जाता है, तो जिम्मेदारी किसी की नहीं होती, दूसरी परियोजना शुरू कर दी जाती है। बोझ पूरा जनता पर ही पड़ता है।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस 2023

खाद्य पदार्थ के उत्पादन एवं संरक्षण की रासायनिक विधि कैंसर, ट्यूमर का प्रमुख कारण

योग गुरु महेश अग्रवाल

8 जून को पूरा विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस मनाता है। ब्रेन ट्यूमर जैसी समस्या दिन-ब-दिन विश्व में बढ़ती ही जा रही है। ऐसे लोग जो रेडिएशन के संपर्क में अधिक रहते हैं और धूमपान अधिक करते हैं, ऐसे लोगों को ब्रेन ट्यूमर का बहुत ज्यादा खतरा होता है, इन्हीं लोगों को सचेत करने के लिए इस दिन का आयोजन किया जाता है, जो लोग इस बीमारी से जूझ रहे होते हैं और इलाज कराने में असक्षम होते हैं उनकी सहायता की जाती है। ब्रेन ट्यूमर अनुवांशिक भी हो सकता है इसलिए इसके प्रति समय रहते सावधान हो जाना बहुत जरूरी है, ब्रेन ट्यूमर खतरनाक बीमारी है परंतु इसका योग में अच्छा इलाज भी है। दरअसल यह सिर्फ मस्तिष्क को ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करती है क्योंकि मस्तिष्क ही पूरे शरीर को संचालित करता है। ब्रेन ट्यूमर की समस्या होने पर मस्तिष्क में कोशिकाओं का जमाव हो जाता है। कोशिकाओं के अनियंत्रित रूप से बढ़ने और जमने के कारण ट्यूमर जानलेवा हो जाता है।

इस खास मौके पर कुछ ऐसे योगासन कर सकते हैं, जिनके अभ्यास से ब्रेन ट्यूमर के खतरे को कम किया जा सकता है।

अनुलोम- विलोम और कपलभाती प्राणायाम - ब्रेन ट्यूमर के मरीज अगर सुबह-शाम एक-एक घंटा अनुलोम-विलोम और कपालभाती करें तो निश्चित तौर पर छह माह में बीमारी ठीक हो सकती है। लेकिन यह लगातार करना होगा। अनुलोम-विलोम से मस्तिष्क को फ्रेश ऑक्सीजन मिलती है। वहीं, कपालभाती की गर्मी गांठों को तोड़ देती है। इससे नौ माह में तो पूरे शरीर का रूपांतरण हो जाता है।

वज्रासन - यह आसन हृदयगति को नियंत्रित रखता है और स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' को घटाकर तनाव कम करता है। इसके अभ्यास से जांघों और पिंडलियों की नसें-मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, पीठ और पैर दर्द में आराम मिलता है।

ताड़ासन - ताड़ासन हमारे शरीर की मांसपेशियों को लचीला बनाता है। इस आसन के दौरान गहरी सांस लेने के कारण फेफड़ा फैलता है और इसकी सफाई हो जाती है। ताड़ासन करने से एक्रागता बनी रहती है। यही नहीं, इस आसन को करने से श्वास सतुंलित रहती है।

प्राकृतिक चिकित्सा - उपवास, एनिमा, धूपस्नान, कटि- स्नान, पेट पर मिट्टी-पट्टी, सूती-ऊनी लपेट, शवासन व शुभ चिंतन मुख्य औषधीय उपचार - लहसुन, गेहूँ के जवारे का रस, गाजर- बीट रस, आँवला, बंदगोभी, फायबर खाद्य, अदरक, प्याज, अंगूर, विटामिन %ए% एवं %सी% युक्त आहार, मुख्य परहेज - बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, गुटखा, शराब, मांस-मछली, अंगूर, अण्डे व अशुभ चिंतन।

ब्रेन ट्यूमर -हमारे मस्तिष्क में अचानक ही असामान्य कोशिकाओं का बढ़ना ब्रेन ट्यूमर कहलता है। ब्रेन ट्यूमर कई प्रकार के होते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर के साथ होते हैं, जो कि बहुत खतरनाक होते हैं और कुछ साधारण होते हैं। ब्रेन ट्यूमर की शुरुआत मस्तिष्क से शुरू होता है, वहीं कैंसर शरीर के अन्य भागों से शुरू होते हुए हमारे दिमाग तक फैल सकता है। सही समय पर इसकी जानकारी होना बहुत आवश्यक है।

विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस का उद्देश्य - इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों में ब्रेन ट्यूमर के प्रति जागरूकता फैलाना है। ब्रेन ट्यूमर की घातक स्थिति की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है जो कि आगे चलकर अक्सर मस्तिष्क कैंसर का कारण बनती है। यह महत्वपूर्ण है कि अधिक से अधिक लोग बीमारी के लक्षणों, उपचार और तथ्यों के बारे में जानें तभी वे इस रोग से बच सकते हैं नहीं तो दिन-ब-दिन यह रोग और भी गंभीर होता जाता है और मनुष्य की जान तक बचाना तक मुश्किल हो जाता है।

ब्रेन ट्यूमर के लक्षण - ब्रेन ट्यूमर होने पर आम लक्षण जो शरीर में दिखाई देते हैं उनमें धीरे- धीरे सिरदर्द का बढ़ना, घबराहट या उल्टी, धुंधली दृष्टि, दोहरी दृष्टि या दृष्टि की हानि, रोजमर्रा के मामलों में उलझन, व्यवहार में बदलाव, बोलने और सुनने में कठिनाई आदि लक्षण आम हैं।

आधुनिक दवाओं के अतिरिक्त एक और भयंकर स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया है। इस सदी में कैंसर रोग को गति देने में दवाओं के साथ समानान्तर काम कर रहा है आज का रासायनिक विधि से उत्पन्न भोजन। कितने प्रकार की रासायनिक चीजें- नाइट्रोसल्फेट, नाइट्रोफास्फेट वगैरह उपयोग में लाते हैं। कौन जाने, हमारे शरीर पर उनका क्या असर हो रहा है। अधिक खाद्य सामग्री बेचने और लाभ कमाने की दृष्टि से ये रासायनिक उत्पादनकर्ता बेतहाशा इन रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन किये जा रहे हैं। शायद हर कोई दवाइयाँ न खाता हो, मगर भोजन तो वह खाता ही है। हम सब लोग अबोध रूप में इसके शिकार हो रहे हैं। खाद्य पदार्थ संरक्षण की रासायनिक विधि एक दूसरा घातक तथ्य है। ये परिरक्षित चीजें जानवरों पर किये खोज कार्यों के आधार पर कैंसर, ट्यूमर और दूसरे घातक रोगों की कारण सिद्ध हुई हैं। उनके सेवन से देह का तापमान गिर जाता है और कैंसर और ट्यूमर हो सकते हैं। कैंसर और ट्यूमर शीत रोग के अन्तर्गत आते हैं, जो तभी आक्रमण करते हैं और बढ़ते हैं, जबकि शरीर का तापमान एक खास सीमा तक नीचे गिर जाता है कैंसर के लिये और दूसरी चीजें भी कारण हैं जैसे आधुनिक मुर्गी पालन केन्द्र में अधिक अण्डे देने के लिये मुर्गियों को इन्जेक्शन लगाते हैं, जिनमें कई कृत्रिम हार्मोन होते हैं। कैंसर विशेषज्ञों के अनुसार कैंसर की आरंभिक वृद्धि बहुत अचानक और अज्ञात रूप से होती हैं। यह इतनी अदृश्य और अज्ञात प्रक्रिया है कि अच्छी मशीनें भी उन्हें नहीं जान पाती हैं। वैज्ञानिकों ने डी.एन.ए. अणुओं का पता लगा लिया, लेकिन कैंसर को नहीं जाना है। कैंसर के विकास की प्रक्रिया जब सुव्यवस्थित और पूर्ण संगठित हो जाती है, शरीर जब पूरा शिकार बन चुकता है, तब वैज्ञानिक लोग घोषित कर पाते हैं कि कैंसर हो गया।

अमेरिका के इस बयान के निहितार्थ

-राकेश दुबे

यूँ तो अमेरिका के हर बयान के गहरे निहितार्थ होते हैं और जब भारत के बारे में हो तो और निहितार्थ गहरा हो जाता है। यह अलग बात है भारत का प्रतिपक्ष इस बयान से अपनी राय पृथक रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणी गौर करने लायक है, जिसमें भारत को एक जीवंत लोकतंत्र बताया गया। भारत का प्रतिपक्ष इससे अलहदा बात करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति भवन के अधिकारी जॉन किर्बी ने तो यहां तक कहा कि जिसको भारतीय लोकतंत्र की साख पर विश्वास न हो वह दिल्ली घूमकर कथन की प्रमाणिकता जान ले। लोकतंत्र-लोकतंत्र के खेल के जरिये दुनिया की तमाम सरकारों को बनाने और बिगाड़ने के उपक्रम में अमेरिका दशकों तक एक पक्ष रहा है। अमेरिका के बारे में अकसर कहा भी जाता है कि अमेरिका की सारी नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यकों की दशा को लेकर सवाल खड़े किये गये थे। अमेरिका की कई अन्य संस्थाएं भी गाहे-बगाहे ऐसे सवाल खड़ी करती रही हैं। जाहिर है अमेरिका चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले माहौल बनाया जाये ताकि बड़े रक्षा सौदों को अंतिम रूप देने में कोई पुरानी कसक बाधक न बने।

वैसे भारत को लोकतंत्र की जीवंतता को लेकर किसी अमेरिकी सर्टीफिकेट की आवश्यकता नहीं है। आजादी का अमृतकाल मनाते देश में आजादी के बाद भले ही एक दल या कई दलों की सरकारें बनी हों, वामपंथ या दक्षिणपंथ के रुझान की सरकारें बनी हों, हर बार सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्वक ही हुआ है। आज भी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाया गया संविधान हमारा/ देश का मार्गदर्शक है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपनी जीवंतता से पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक देशों का मार्गदर्शन कर रहा है। निस्संदेह, राजनीतिक विद्रूपताओं व जीवन मूल्यों की गिरावट से कुछ विसंगतियां सामने आई हैं, लेकिन सदियों तक साम्राज्यवादी ताकतों के दोहन से उपजी अथाह गरीबी व एक बड़ी आबादी भी इसके मूल में रही हैं।

इसे संयोग भी माना जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा ऐसे समय पर हो रही जब कुछ दिन पहले तक प्रतिपक्षी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी मोदी सरकार की रीति-नीतियों को लेकर अमेरिका में तमाम सवाल खड़े कर आए हैं। अच्छा तो यह माना जाता है कि देश में सत्तापक्ष से प्रतिपक्ष के कितने भी मतभेद हों, विदेश की धरती पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को लेकर कोई आंच नहीं आनी चाहिए। बहरहाल, जीवंत भारतीय लोकतंत्र की खूबियां दुनिया को खुद-ब-खुद आकर्षित करती रही हैं। जिसके मूल में भारतीय लोकतंत्र की मजबूत साख ही है। वैसे अमेरिका के मौजूदा रुख में आये बदलाव के मूल में तेजी से बदलते वैश्विक सामरिक समीकरण भी हैं। जिसके संतुलन के लिये अमेरिका को भारत जैसे बड़े देश के साथ की जरूरत है। खासकर साम्राज्यवादी चीन की विस्तारवादी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिये।

सर्व ज्ञात तथ्य है, पिछले कुछ वर्षों में चीन एलएसी पर भारत के लिये जैसी चुनौतियां पैदा करता रहा है उसका मुकाबला भी अमेरिका जैसी विश्व शक्ति के सहयोग से संभव है। बहरहाल, भारत के लिये यह गौरव की बात है कि 21 से 24 जून तक चलने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा रक्षा सौदों के अलावा भी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। वे अमेरिकी सांसदों के बुलावे पर अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी वे संबोधित करेंगे। निस्संदेह, मौजूदा हालात में अमेरिका चीन के मुकाबले के लिये भारत को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। हाल ही में भारत व अमेरिका ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिये एक रोडमैप को अंतिम रूप दिया है। इससे जहां अमेरिका के सामरिक व कारोबारी हित पूरे होते हैं, वहीं आधुनिक व उन्नत तकनीक के साथ भारत के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को बल मिलता है।

हाल के वर्षों में भी दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण करार हुए हैं, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला को स्थिरता देने, रक्षा खरीद को सुगम बनाने तथा एक-दूसरे के ठिकानों के इस्तेमाल पर सहमति बनी है। निस्संदेह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता के चलते दोनों देशों को रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने की जरूरत है।

क्या रेल मंत्री के इस्तीफे से समस्या का समाधान होगा?

रिशिता शर्मा

नेटिज़ेंस हाल की स्मृति में सबसे घातक ट्रेन दुर्घटनाओं में से एक के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 300 लोगों की मौत हो गई और 1,000 से अधिक लोग घायल हो गए। हालाँकि, आपदा की परिस्थितियों को देखते हुए, यह सवाल उठता है कि क्या किसी शिक्षित व्यक्ति को बलपूर्वक उसके पद से हटाना उचित है।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इंटरलॉकिंग सिस्टम, ट्रेन मार्गों को चुनने के लिए एक कंप्यूटर नियंत्रित उपकरण, खराब हो सकता है और घातक त्रासदी का कारण बन सकता है। यहां तक ????कि अगर कोई विफलता है, तो सिस्टम को त्रुटि-सबूत होने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और ट्रेन को रोकने के लिए लोकोमोटिव पायलट को सूचित करने के लिए सिग्नल को लाल होना चाहिए। जया वर्मा सिन्हा का कहना है कि रेलवे बोर्ड के एक सदस्य के मुताबिक सिस्टम को दुर्भाग्यपूर्ण कोरोमंडल एक्सप्रेस को लूप रूट पर जाने से रोकना चाहिए था.

हालांकि, तथ्य यह है कि यह स्पष्ट रूप से अभेद्य तंत्र लगातार विफल हो रहा है, सवाल उठाता है। इसी तरह की घटनाएं, जैसे 2005 में गुजरात साबरमती एक्सप्रेस दुर्घटना, ऐसे हादसों के कारणों को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है। जया वर्मा ने इस बात पर प्रकाश डालने के लिए एक सादृश्य का उपयोग किया कि कैसे हमेशा त्रुटि की थोड़ी संभावना होती है, जैसे कि एक छेद खोदते समय अप्रत्याशित समस्याओं में चलने का 0.1त्न मौका होता है, भले ही इंटरलॉकिंग सिस्टम प्रति दिन लाखों बार उपयोग किया जा रहा हो।

सुरक्षा आँकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) का अनुमान है कि प्रत्येक वर्ष भारत में ट्रेन दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप प्रति बिलियन ट्रेन किलोमीटर में 2.6 लोग मारे जाते हैं। 2019 में भारत की दुर्घटना दर 0.5 प्रति बिलियन ट्रेन किलोमीटर थी, जो कुछ हद तक जर्मनी की दुर्घटना दर 0.45 और फ्रांस की दुर्घटना दर 0.25 के बराबर है। इसके अतिरिक्त, पिछले 20 वर्षों के दौरान, 1995 में 398 की तुलना में इस वर्ष केवल 48 घटनाओं के साथ भयावह रेल दुर्घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

एनसीआरबी रेल दुर्घटनाओं से हताहतों को कई श्रेणियों में वर्गीकृत करता है, जैसे पटरी से उतरना, टक्कर, आग, विस्फोट, ट्रेन से गिरने वाले लोग या उनकी चपेट में आना और अन्य कारण। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रेलवे क्रॉसिंग पर कम दुर्घटनाएं होती हैं, भले ही 2018 में स्कूली वाहन की टक्कर और हाल ही में असम में पटरी से उतरने जैसी भयानक घटनाएं निरंतर सुरक्षा सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

2014 में कार्यभार संभालने के बाद से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने रेलवे क्रॉसिंग की समस्या को दूर करने में जबरदस्त प्रगति की है। इन वर्षों में, ब्रॉड गेज लाइनों पर लगभग 5,500 लावारिस रेलवे क्रॉसिंग को या तो हटा दिया गया है या नामित श्रमिकों द्वारा संचालित किया गया है। 2019 तक, केवल 3,500 सक्रिय क्रॉसिंग थे, और रेल मंत्रालय ने छह महीने में उन्हें हटाने का काम पूरा किया। ये कार्य सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और यात्रियों की सुरक्षा के प्रति समर्पण को प्रकट करते हैं।

एक शिक्षित और योग्य व्यक्ति को उनके पद से हटाने के न्याय पर विचार करें क्योंकि रेल मंत्री के इस्तीफे की चिंता बढ़ती जा रही है। अश्विनी वैष्णव एक पूर्व आईएएस अधिकारी के रूप में अपनी विशेषज्ञता और सीमेंस और जीई ट्रांसपोर्टेशन जैसी फर्मों के साथ अपने पूर्व रोजगार के कारण इस पद के लिए योग्य उम्मीदवार हैं। दुर्घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराना निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन स्थिति के बारे में उसके ज्ञान, इसे संबोधित करने के लिए उसने जो कदम उठाए, और समाधान खोजने के लिए उसके समर्पण का पता लगाने के लिए पूरी तरह से जांच के बाद ऐसा किया जाना चाहिए।

अंत में, इस तरह का महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले परिस्थितियों का पूरी तरह से मूल्यांकन करना और पूरी तरह से जांच करना महत्वपूर्ण है, खासकर जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग बढ़ रही है। दुर्घटना से बचाव, यात्री सुरक्षा और भारत की रेल अवसंरचना की सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

जानलेवा क्यों होती जा रही है चारधाम यात्रा?

राहुल पाण्डेय

साल भर पहले से ही देश भर के पर्यावरणविद और कई धर्मगुरु लोगों से अपील कर रहे थे कि चार धाम यात्रा पर जाने से पहले चार बार सोचें। इससे पहाड़ों का सत्यानाश हुआ जा रहा है। चार धाम यात्रा शुरू हुए तकरीबन डेढ़ महीने हो रहे हैं। अब तक बीस लाख लोग आ चुके हैं, 4 जून तक 40 लाख ने आने का रजिस्ट्रेशन करा लिया है। जाहिर है, पहाड़ और पर्यावरण की चिंता पीछे पड़ चुकी है।

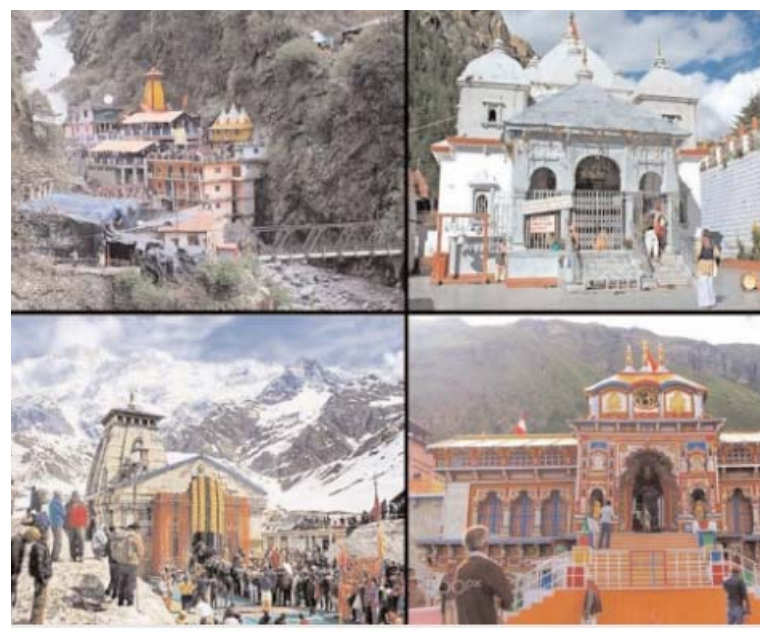

चार धाम यात्रा यानी केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री। इनमें से केदारनाथ 3,581 मीटर की ऊंचाई पर है, बाकी तीनों लगभग सवा तीन हजार मीटर पर हैं। इतनी ऊंचाई पर प्रकृति के अपने नियम-कानून चलते हैं, जिन्हें न मानने पर भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

केदारनाथ और यमुनोत्री जाना सामान्य दिनों में भी मुश्किल होता है। मई की शुरुआत से बारिश और पिघलती बर्फ ने रास्ता और भी खतरनाक बना दिया है।

गौरीकुंड से केदारनाथ तक का रास्ता 16 किमी का है और पूरा फिसलन से भरा हुआ है। यमुनोत्री के लिए जानकीचट्टी से छह किमी की खड़ी चढ़ाई है, वहां भी फिसलन है। अप्रैल के आखिर से शुरू हुई चार धाम यात्रा में अभी तक सवा सौ लोगों की जान जा चुकी है। मौत की मुख्य वजह हार्ट अटैक और सांस की दिक्कत बताई गई है।

और तो और, लोगों को ढोने वाले खच्चर तक मर रहे हैं। केदारनाथ में 19 तो यमुनोत्री के रास्ते में 22 से अधिक खच्चर फिसलकर मर चुके हैं। वहीं सड़क दुर्घटनाओं में अब तक तीन दर्जन से अधिक की जान जा चुकी है। सबसे ज्यादा दुर्घटना उनके साथ हो रही है, जो अपने वाहनों से जा रहे हैं, पर पहाड़ पर ड्राइविंग का अनुभव नहीं है।

बदरीनाथ जाने वाले रास्ते में जोशीमठ में पहाड़ दरक रहे हैं। पिछले महीने यहां के हेलंग में उदयपुर के 42 यात्रियों के सामने पहाड़ का बड़ा हिस्सा 15 मिनट तक ढहता रहा। केदारनाथ में गुरुवार को दिन में जब हजारों श्रद्धालु मौजूद थे, एक बड़ा एवलांच आया। इसके अलावा उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग जिले में पिछले डेढ़ महीने में 300 से अधिक लैंडस्लाइड हो चुकी हैं।

बेहिसाब यात्री

पिछले साल सरकार ने बदरीनाथ के लिए 15 हजार, केदारनाथ के लिए 12 हजार और गंगोत्री तथा यमुनोत्री के लिए क्रमश- 7 और 4 हजार की डेली लिमिट लगाई थी। इस बार इन सबमें 1-1 हजार यात्री और बढ़ा दिए गए हैं। सरकार का कहना है कि चूंकि यात्रा दो साल बाद हो रही है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को दर्शन का लाभ मिल सके। इस पर पर्यावरणविदों के ऐतराज कुछ यूं हैं-

उत्तराखंड में जिस तेजी से धार्मिक टूरिज़्म बढ़ रहा है, वह पूरी तरह से अनसस्टेनेबल है। इसे कंट्रोल करना होगा।

सरकार प्रशासन की क्षमता देखने के बजाय पहाड़ों की कैरींग कपैसिटी स्टडी करे और इसी हिसाब से यात्रियों को आने की इजाजत दे।

कैरींग कपैसिटी तय करने वाले टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीसीपी) और पर्यावरण विभाग अभी तक पहाड़ी राज्य में कमजोर और अप्रभावी हैं।

उदाहरण के लिए, उत्तराखंड में टीसीपी डिपार्टमेंट न्यूनतम कर्मचारियों और संसाधनों के साथ काम कर रहा है। उत्तराखंड बनने के बाद इसका पुनर्गठन ही नहीं किया गया।

केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री से ऐसे कई वीडियो आए हैं, जिनमें लोग टूटे ग्लेशियर पर चल रहे हैं, खेल रहे हैं और उनका सत्यानाश कर रहे हैं। ग्लेशियर नहीं रहेंगे तो कौन बचेगा?

माना कि आस्था बड़ी चीज है, लेकिन जब यह आस्था धरती का और अपना नुकसान करने लगे तो इसे क्या कहें? कोई भी धर्म आस्था के लिए प्रकृति के विनाश की बात नहीं कहता। हिमालय बेहद नाजुक पहाड़ है, अभी लगातार बन ही रहा है। जिस तरह से उत्तराखंड में इस सीजन यात्रियों की संख्या एक करोड़ पहुंचने जा रही है, वैज्ञानिक अगर इसे विनाश की शुरुआत कह रहे हैं तो गलत नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जनपद उपाध्यक्ष ने वितरित किए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के प्रमाण पत्र

दमोह जिले की जनपद पंचायत जबेरा के ग्राम भाट खमरिया पहुंच कर ग्राम पंचायत भवन में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को डॉ सुजान सिंह जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जबेरा ने प्रमाण पत्र वितरित किए सरपंच प्रतिनिधि पंचम सिंह उप सरपंच प्रतिनिधि राजेश सिंह सचिव जन्मेजय दुबे सहायक सचिव बसंत सिंह एवं अन्य ग्राम वासियों की उपस्थिति में प्रमाण पत्र वितरित किए गए सभी को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय अगर लाडली बहना योजना के साथ-साथ मध्य प्रदेश को नशा मुक्त घोषित कर देते तो उनकी राशि का सही उपयोग हो जाता अन्यथा अधिकांश महिलाओं के पति शराबी होने के कारण इस राशि का दुरुपयोग होने की संभावना है

आर्थिक सहायता दी

धार,। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत बदनावर तहसील के ग्राम बिडवाल निवासी पारसमल पिता शांतिलाल जैन को बीमारी के उपचार के लिए 80 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार धार तहसील के ग्राम सामर अनारद की शमीम बी पति आसीफ खान को बीमारी के उपचार के लिए 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

मटौंधाबेसन में शुरू होगा श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा

छतरपुर। महाराजपुर तहसील के ग्राम मटौंधाबेसन में एक विशाल धार्मिक अनुष्ठान किया जा रहा है। जिसमें श्रीराम महायज्ञ, श्रीराम जानकी की प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 जून को विशाल कलश यात्रा से शुरू होगा जिसकी तैयारियां जोरों से चल रही हैं।

यह जानकारी देते हुये पत्रकार कल्याण महासंघ के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मटौंधाबेसन निवासी रामबाबू सिंह परिहार ने बताया कि यह आयोजन समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजत हो रहा है। अयोध्या से भगवान श्रीराम एवं माता जानकी की मूर्तियां लायी जा चुकी हैं जो अन्न में निवास कर रही हैं। श्रीराम महायज्ञ, श्रीराम जानकी की प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ 21 जून को विशाल कलश यात्रा से होगा। कार्यक्रम का समापन 27 जून को हवन पूजन पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा।

सोलर रूफटॉप योजना का शिविर आज

छतरपुर,। ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा ऊर्जा साक्षरता अभियान से लोगों को जोड़ने के लिये पूर्वी क्षेत्र विद्युत संभाग छतरपुर द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में शुक्रवार 9 जून को संभागीय कार्यालय पावर हाउस छतरपुर परिसर में सोलर रूफटॉप योजना का शिविर आयोजित किया गया। उपभोक्ताओं शिविर में उपस्थित होकर योजना का लाभ उठाने की अपील की गई है।

हिजाब पहनाने एवं हिन्दु बच्चों को मुस्लिम शिक्षा देने के आरोपी गंगा जमना के संचालकों का एक और खेल

शासकीय जमीन पर पिलर खड़े कर किया कब्जा, विभाग के अधिकारी कर रहे मामले में हीलाहवाली

दमोह हिन्दु बच्चो को हिजाब पहने को लेकर सुर्खियो मे आये गंगा जमना स्कूल इन दिनों जिला से लेकर प्रदेश से लेकर केंद्र तक गंगा जमना स्कूल में गैर मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने के लिए मजबूर करने, मुस्लिम पूजा पद्धति और इवादत करने जोर देने के साथ साथ धर्मांतरण के आरोप की जांच और सजा के दायरे में आ रहे गंगा जमना ग्रुप ना केवल स्कूल में धर्मांतरण कराने के आरोप से घिर रहे है वल्कि उसने शासन की वेशकीमती जमीन पर भी अनेकों सालों से कब्जा कर रखा है जवकि जमीन से संवंधित विभाग मूकदर्शक बनकर हीलाहवाली में लगा है जिससे गंगा जमना संस्था के भू कब्जे में उद्योग विभागीय अधिकारियों के भी संलिप्त होने के आरोप लग रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला उद्योग विभाग को जिले में उद्योगों के विकास हेतु औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने शहर के ही नजदीक मारूताल मौजा में खसरा नंवर 1/148 और 1/151 में से 230 एकड जमीन आवंटित की गयी है जिसमें उद्योग विभाग को उद्योग विकास हेतु मूलभूत सुविधाओं के विकास के साथ उद्योग स्थापित कराना थे लेकिन जानकारी प्राप्त हुई है कि उक्त उद्योग विभाग की जमीन के एक बडे हिस्से पर गंगा जमना संस्था के संचालकों ने कब्जा करके रखा हुआ है। जिले का उद्योग विभाग द्वारा जानते हुए भी उसपर आजतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है ना ही उनके उच्च अधिकारियों को इस संवंध में अवगत ही कराया गया है जिससे उद्योग विभाग के संवंधित क्षेत्र अधिकारियों के भी इस कब्जे में लाभान्वित होने या मिलकर वंदरवाट करने के आरोप लग रहे हैं।

जव इस संबंध में जिला उद्योगविभाग के सहायक प्रबंधक बी एल अहिरवार से उद्योग विभाग की कई एकड जमीन पर गंगा जमना संस्था संचालकों के कब्जा किये होने की जानकारी चाही गयी तो वो गोलमोल जवाव देते नजर आये और वताया कि गंगा जमना संस्था संचालकों का उद्योग विभाग की जमीन को अपनी पट्टे में मिली जमीन वताया जा रहा है जो अनेकों साल से विवादित है। गंगा जमना संचालकों से पट्टा आवंटन और जमीन से संवंधित कागजात पेश करने कहा गया था जो कि उनके द्वारा कभी दिये नहीं गये हैं हालांकि यह भी काफी साल पहले की वात होना उनके द्वारा स्वीकार किया गया।

जिस तरह गंगा जमना स्कूल का हिन्दू छात्राओं द्वारा हिजाब पहने फ्लैक्स वायरल होने पर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक द्वारा आनन फानन में संस्था को क्लीन चिट दे दी गयी थी जिसके वाद मामले के तूल पकडने पर एक के वाद एक अपराध सामने आ रहे हैं ठीक उसी तरह प्रारंभिक तौर पर उद्योग विभाग के अधिकारी भी गंगा जमना संस्था संचालकों के कई एकड जमीन कब्जा करके रखने पर अपना अपना पल्ला झाड रहे हैं लेकिन सरकार की उच्च स्तरीय जांच से इस मामले के सभी संलिप्तों की पोल खुल सकती है

इनका कहना है

मेने बहा का पूरा रिकॉर्ड दिखवा लिया है हमने इस नाम से किसी को जमीन एलाट नही की

मंदाकिनी पाण्डे, उद्योग विभाग सागर

जांच उपरांत पता लगेगा अतिक्रमण है की नही नपवाने के वाद ही क्लियर हो पाएगा

मयंक अग्रवाल कलेक्टर दमोह

नगर पालिका में बड़ी सर्जरी, 22 कर्मचारियों के बदले प्रभार

-मंत्री यशोधराराजे सिंधिया के कड़े तेवरों का असर

शिवपुरी - नगरपालिका से विधायक निधि के 4 टैंकर और 10 लाख की जालियां चोरी होने के बाद अब कर्मचारियों के प्रभार बदले गए है। टैंकर चोरी के बाद जिला प्रशासन दीमक की तरह घुन लगी नगर पालिका को सुधारने का प्रयास कर रहा है। इस एक्शन के पीछे प्रदेश की तेजतर्रार कैबिनेट मंत्री यशोधराराजे राजे सिंधिया की नगरपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कड़ी नाराजगी है।

विदित है कि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक यशोधरा राजे सिंधिया द्वारा शहरवासियों को पानी की समस्या से निजात दिलाने अपनी विधायक निधि से नगरपालिका को दिए गए 14 पानी के टैंकरों में 4 टैंकर चोरी होने का सनसनीखेज मामला कुछ दिनों पहले ही प्रकाश में आया था।इसके बाद नपा की 10 लाख की जालियां चोरी होने का खुलासा हुआ। इन घटनाओं के ज़िम्मेदार आरोपी फ़रार ठेकेदार अर्पित शर्मा पर दो हज़ार का इनाम घोषित होने के बाद अब नपा के कर्मचारियों के प्रभार में आमूलचूल बदलाव किया गया है। राजेंद्र जैन एआरआई को वसूली के अलावा नामांतरण शाखा भी दिया गया है वहीं दिनेश गुप्ता प्रभारी लेखापाल अब प्रधानमंत्री आवास योजना का काम देखेंगे। रोहित खेमरिया प्रधानमंत्री आवास योजना से आवक जावक लिपिक,अदिति सिंघल योजना लेखा-शाखा से एनयूएलएम,रविकांत झा नगर पालिका स्टोर से लेखा शाखा,प्रमोद शर्मा संपत्तिकर वसूली से गौशाला प्रभारी,

संदीप शर्मा आसिफ खान- अवैध होर्डिंग अभियान के साथ संपत्ति कर वसूली,किरन सोलंकी राजस्व शाखा, सुषुमा श्रीवास्तव- स्वास्थ्य शाखा से नामांतरण शाखा, कुलदीप शर्मा- स्वास्थ्य शाखा,साधना शर्मा कैशियर और ऑडिट कंडिका,सुनील रावत, निर्माण शाखा से स्वास्थ्य शाखा,अरविंद कौरव कंप्यूटर कार्य से नगर पालिका स्टोर शाखा,अब्दुल अकबर कुरैशी प्रभारी कार्यालय अधीक्षक के साथ विद्युत व्यवस्था प्रभारी,जितेंद्र तोमर-डोर टू डोर कचरा कलेक्शन,अनिल गांगले-लॉगबुक सत्यापन,सोनू राठोर पंप अटेंडर से हाइडेंट प्रभारी सहायक,गोविंद सिंह जादौन फिजीकल संप बैल से अवैध नल कनेक्शन को वैध करने की जिम्मेदारी,राजू बाथम मेंटेनेंस शाखा से फिजिकल संपबैल प्रभारी,नरेंद्र श्रीवास्तव, स्वास्थ्य शाखा से सतीश निगम सहा यंत्री के सहायक,मनीष शर्मा, अवैध अतिक्रमण से उद्यानिकी रख रखाव का नया दायित्व सौंपा गया है।

सुदर्शन क्लब की आगामी टीम तैयार

इटारसी लायंस क्लब सुदर्शन का नेतृत्व कर रहे लायन डॉ राजेश गुप्ता का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। पहली जुलाई से लायन विनोद चौधरी अध्यक्ष के रूप में कमान संभालेंगे , साथ ही प्रमुख पदाधिकारियों में सचिव लायन प्रदीप चौधरी, कोषाध्यक्ष लायन खालिद शाह, प्रथम उपाध्यक्ष लायन रविन्द्र सोनी और द्वितीय उपाध्यक्ष लायन मनोज गुप्ता शामिल हैं। समस्त कार्यकारिणी की घोषणा शपथ विधि कार्यक्रम के अवसर पर घोषित की जायेगी।

संपन्न हुई क्लब की साधारण सभा में अध्यक्ष लायन डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष भी क्लब के संस्थापक सदस्य लायन बीबीआर गाँधी को लायंस मल्टीपल 3233 कन्वेंशन जयपुर में पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान डिस्ट्रिक्ट को देने पर मल्टीपल अवार्ड प्रदान किया गया है ।वहीँ सचिव लायन अनिल कुमार साहू ने इंदौर ईएलएलआई में शिरकत करके क्लब का नाम रौशन किया है ,ये ऐसी एकमात्र कार्यशाला है जो अध्यक्ष का दायित्व लेने के पूर्व की जा सकती है। इसमें चयन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के द्वारा किया जाता है। लायन गुप्ता ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारा क्लब और हमारे क्लब के वरिष्ठ सदस्य डिस्ट्रिक्ट में पहचान बनाये हुए है अति प्रसन्नता और गौरव की बात है।

बैठक के दौरान लायन अनिल साहू ने उपस्थित सदस्यों के बीच अपने अनुभव साझा किये। साथ ही इस अवसर पर वरिष्ठ पदाधिकारियों में लायन रवि अठोत्रा ने क्लब की मार्केटिंग और कम्युनिकेशन को और सुदृढ़ करने की बात कही और लायन मनोज गालर ने मेम्बरशिप के लिए कहा कि हमारा क्लब जिस प्रकार से विगत कई वर्षों से अपनी पहचान बनाये हुए है और सहारा बैंक का सञ्चालन कर रहा है उससे क्लब को मानव सेवा भाव रखने वाले और भी सदस्य मिलेंगे। लायन बीबीआर गाँधी ने क्लब की प्रशासनिक और सेवा गतिविधियों पर आगामी नेतृत्व से अपेक्षा करते हुए अंत में आगामी टीम के सभी प्रमुख पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रेमिका की चाकू से गोदकर हत्या करने के बाद आरोपी खुद फांसी के फंदे पर लटका, मिला शव

ओबैदुल्लागंज। महावीर कॉलोनी दशहरा मैदान के पीछ 10 दिन पुराना व्यक्ति का शव पेड़ पर लटका मिलने से हड़कंप मृतक की पहचान सुल्तानपुर थाने के मगरई ग्राम के सोनू उर्फ सुनील पिता प्रभु आदिवासी 20 वर्ष के रूप में हुई जानकारी अनुसार गैरतगंज तहसील के देव नगर थाना के पाठक खेड़ा गांव में 29 मई को शौच करने गई युवती को खेत में ले जाकर चाकुओं से गोदा, मौत के घाट उतार कर आरोपी तभी से फरार था

गैरतगंज तहसील के देवनगर थाना के पाठाखेड़ा गांव में 29 मई सुबह सुनील उर्फ सोनू आदिवासी ने युवती की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। हत्या का कारण प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। युवती की अप्रैल महीने में शादी हुई थी। कुछ दिन पहले ही वह अपने मायके आई थी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने युवक की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी पाठाखेड़ा गांव में सुबह 7 बजे सुषमा आदिवासी पुत्री स्व. सरवन आदिवासी अपनी चचेरी बहन और ननद के साथ शौच करने के लिए खेत की तरफ गई थी। वापस घर आते समय एक युवक ने सुषमा के गले पर चाकू रखकर और हाथ पकड़कर अपने साथ ले जाने लगा। सुषमा को बाल पकड़कर करीब 600 मीटर अंदर जंगल की तरफ खेत में ले गया, जहां चाकू से उसके गले व हाथों में कई वार किए हैं। युवती के साथ शौच के लिए गई बहन और ननद ने बचाने का प्रयास किया तो युवक ने उन्हें चाकू से डराकर भगा दिया। जब युवती का भाई और गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो युवक सुषमा को चाकू से घायल कर भाग गया। परिजन युवती को लेकर देवनगर अस्पताल पहुंचे। यहां से उसे रायसेन रेफर कर दिया। यहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिली थी महावीर कॉलोनी वार्ड क्रमांक 2 दशहरा मैदान के पीछे पेड़ पर किसी व्यक्ति का शव लटका हुआ है हमारी पुलिस टीम ने जाकर शव को नीचे उतार शव 8 ,10 दिन पुराना लग रहा था इसकी पहचान सुल्तानपुर थाना के मगराई गांव के सुनील उर्फ सोनू पिता प्रभु आदिवासी 20 वर्ष के रूप में हुई

थाना प्रभारी संदीप चौरसिया औबेदुल्लागंज

ओबैदुल्लागज थाने के अंतर्गत शव मिला है हमारे देव नगर थाने में आरोपी के खिलाफ 302 का मुकदमा कायम है फरार घोषित है इस संबंध पर पहचान के लिए उसके पिता को भेजा गया है यदि आरोपी सुनील उर्फ सोनू पिता प्रभु आदिवासी 20 वर्ष है तो वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जानकारी दी जाएगी इसके बाद जो भी वैधानिक कार्यवाही होगी की जाएगी

देव नगर थाना प्रभारी **घनश्याम शर्मा**

अवैध यूरिया के परिवहन पर एफआईआर दर्ज

सिवनी- उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास सिवनी द्वारा जानकारी दी गई कि कलेक्टर क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार जिले में कृषकों को मानक स्तर की गुणवत्ता युक्त कृषि आदान सामग्री जैसे उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के उददेश्य से विभागीय दल द्वारा सतत कृषि आदानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

लैब के नाम पर कहीं बेहिसाब डिस्काउंट का लालच तो कहीं कैंसर की जांच के दावे, तो कहीं डॉक्टर ही बदले!

पैथालाजी लैब को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने बनाया दो सदस्यीय जांच दल, हर जगह है गड़बड़ी

धार. जिला मुख्यालय पर चल रही पैथालाजी लैब में नियमों की अनदेखी जारी है। लगातार खबरें सामने आने के बाद अब सुधार के लिए संचालकों ने कवायद शुरू कर दी है। इसके बाद भी कुछ संचालकों की मनमानी देखने को मिल रही है। शहर में संचालित होने वाली लैब में अब तक कई गड़बड़ी देखने को मिली है। इसके बावजूद भी कई ऐसे मामले है जो अभी सामने आना बाकी है। बात करें बड़ी लैब तो शहर में ऐसी भी लैब है, जो कैंसर की जांच धार में करने का दावा कर रही है। वहीं कुछ जांच के नाम पर आधा डिस्काउंट देकर लोगों को ललचा रही है। लेकिन नियमों की मानमानी इनके द्वारा भी की जा रही है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य के साथ समझौता की कहानी अब भी जारी है।

गौरतलब है कि ने लगातार लैब संचालकों की मनमानी और धांधली की खबरें प्रमुखता से प्रकाशित की है। इसके बाद से संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। समाचार पत्र की खबरों का असर हुआ है कि स्वास्थ्य विभाग ने खबरों पर संज्ञान लेते हुए लैब की जांच के लिए दो सदस्यीय दल का गठन किया है। इस दल में प्रभारी डॉ. सुधीर मोदी को बनाया गया है। जबकि डॉ. मोहन जमरा को भी बतौर सदस्य शामिल किया है। समाचार पत्र शाध्य प्रकाशन की खबरों की प्रमाणिकता के आधार पर जांच दल ने अपनी जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जिन लैब में गड़बड़ी देखने को मिली, उनका निरीक्षण कर जांच की जा रही है। साथ ही लैब संचालकों को नोटिस भी दिए गए है।

फ्रेंचाइजी चैन की शुरूआत -शहर के पाटीदार तिराहे पर हाल ही में समर्पण डायग्नोस्टिक सेंटर के नाम से लैब शुरू की गई है। लैब संचालक का दावा है कि यहां पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की भी जांच की जा रही है। जबकि कैंसर रोगियों की जांच के लिए धार जिले के लोगों को इंदौर या गुजरात पर ही निर्भर रहना पड़ता है। यदि इस दावे को माने तो जिले के लोगों को धार में जांच का फायदा मिलेगा। लेकिन इसकी हकीकत जांच में ही सामने आ पाएगी। फिलहाल संस्था अपनी फ्रेंचाइजी चैन शुरू करने पर काम कर रही है। सूत्र बताते है कि अमझेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एक कर्मचारी की मदद से संस्था ने अमझेरा में एक लैब शुरू की है, जिसकी अनुमति नहीं है।

डॉक्टर ही बदल गए :वहीं दूसरी तरफ शहर में एक सामाजिक संस्था के तौर पर अग्रणी रहकर काम करने वाली लायंस क्लब की मदद से भी लायंस पैथालाजी लैब शहीद चौराहा रोटरी क्लब मैदान के समीप संचालित की जा रही है। यहां लैब संचालक ने लैब की अनुमति डॉ. भावना पंडित के नाम से ली है। लेकिन मरीजों की जो रिपोर्ट जारी हो रही है, उसमें डिजीटल हस्ताक्षर एमडी पैथालाजिस्ट डॉ प्रियंका आर सहाय के नाम से जारी की गई है। इसकी एक रिपोर्ट की प्रति शाध्य प्रकाशन के पास सुरक्षित है।

डिस्काउंट का लालच, रेट तय नहीं -इसके अलावा शहर में कई लैब ऐसी भी है, जहां पर आधे से कम दाम पर जांच करवाने का डिस्काउंट का लालच देकर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। इसमें बड़ा नाम पाटीदार तिराहे पर मौजूद आरोग्य डायग्नोस्टिक सेंटर है, जहां पर आधे दाम पर जांच करवाने का दावा किया जाता रहा है।

भोजपुर में सांसद व विधायक ने किया गौशाला के नवीन भवन का लोकार्पण

मण्डीदीप शहर के समीप स्थित भोजपुर मैं गुरुवार को मानतुंगाचार्य की तपोस्थली भोजपुर में श्री विद्यासागर गौशाला के नवीन भवन का लोकार्पण व नूतन भवन एवं क्षेत्र कार्यालय का उद्घाटन क्षेत्रीय सांसद व विधायक द्वारा किया गया।अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम गौशाला का लोकार्पण व नवीन कार्यालय का उदघाटन किया गया तत्पश्चात दीप प्रज्वलन कर मुनिश्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।मुनिश्री ने अपने प्रवचनों में गोवंश व पशुओं की सेवा को प्राथमिकता देते हुए सभी को गौसेवा हेतु प्रेरित करते हुए गौवंश के संरक्षक व संवर्धन पर जोर दिया। श्री शांतिनाथ दि. जैन अतिशय क्षेत्र शांति नगर विकास समिति भोजपुर जिला रायसेन के अंतर्गत करीब 120 लाख की लागत से निर्मित श्री विद्यासागर गौशाला के नवीन भवन के लोकार्पण एवं क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद रमाकांत भार्गव, भोजपुर क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र पटवा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र भोजपुर के अध्यक्ष विमल कुमार जैन ने बताया कि युगश्रेष्ठ परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद एवं उनके शिष्य पाठशाला प्रेरक संस्कार प्रेणता मुनि श्री 108 निर्णय सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में उपरोक्त सभी कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

कार्यालय तहसीलदार नजूल वृत्त गोविन्दपुरा भोपाल

प्रकरण क्रमांक /अ-6/23-24

आम सूचना

आवेदिका श्रीमति देवकी श्रीधर पत्नि एस. श्रीधर निवासी एम.आई.जी 9 चंचल कॉलोनी नियर लक्ष्मी नगर तहसील हुजूर भोपाल के द्वारा आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर ग्राम नरेला शंकरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 292 / 2 का अंशभाग रकबा 1000 वर्गफिट भूमि का नामांतरण कराने का निवेदन किया हैं।

अतएवं एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति 15 दिवस में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि बीत जाने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

मेरी पदमुद्रा से आज दिनांक 05.06.2023 को जारी

तहसीलदार

एवं कार्यपालिक अधिकारी नजूल गोविंदपुरा, भोपाल

संगठन के बदलाव से ही होगी जिले में भाजपा की नैया पार

आलोक दुबे के अध्यक्ष रहते भाजपा पहुंची अर्श से फर्श पर

सिवनी-- जिले में भाजपा के स्वार्थी संगठन के चलते खंड खंड बिखरी और अंदरूनी गुटबाजी के चलते भाजपा की नैया आगामी विधानसभा चुनाव में पार लगना मुश्किल लग रही है। जिला भाजपा संगठन में महज पांच छह स्वार्थी किस्म के पदाधिकारियों ने मिलकर वर्षों की मेहनत करके पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एकजुटता से बने संयुक्त परिवार में बिखराव मचाकर जिला भाजपा को अलग अलग धड़ो में बांटकर गुटबाजी हावी करते हुए

उनके सपनों पर पानी फेरते हुए वर्तमान में जिला भाजपा को अर्श से फर्श पर लाकर रख दिया है। जिले में सत्ता और संगठन की लड़ाई पिछले तीन साल से ही चली आ रही है जिसके चलते मुठ्ठी के रेत की तरह भाजपा का जनाधार फिसलता चला जा रहा है, कभी भाजपा कार्यालय में हर दिन भीड़ भाड़ नजर आती रहती थी पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपस में बैठकर दिन प्रतिदिन पार्टी को मजबूती प्रदान करने रणनीति बनाते रहते थे जो अब पिछले कुछ वर्षों से देखने नहीं मिल रही है अब भाजपा कार्यालय की रौनकता समाप्त होते चली जा रही है। वर्तमान में जिले के अलौकिक संगठन की हिटलर शाही और स्वार्थी रवैये से भाजपा के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में रोष बना हुआ है जो अंदर ही अंदर पनपता यह विरोध बारूद के ढेर की तरह विधानसभा चुनाव में विस्फोट करके भाजपा के गढ़ को नेस्तनाबूद कर देगा।

जिले में कमजोर और नेतृत्व विहिन संगठन की चर्चा जिले में ही नहीं अपितु प्रदेश स्तर तक पहुंच चुकी हैं आज मध्यप्रदेश के अंदर सबसे कमजोर संगठन सिवनी का ही माना जाता है। जिसकी लगातार शिकायतें प्रदेश कार्यालय तक मौखिक और लिखित रूप में हो चुकी हैं लेकिन वहां से कारवाई और सुनवाई ना होने से अब भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मायूस हो चुके हैं। इतनी शिकायतों के बावजूद अपनी ही पार्टी में अपने ही कार्यकाल में जिला भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी हताश होकर चुप्पी साध कर समय के इंतजार पर बैठ चुका है।

ज्ञात हो कि जिले में भाजपा संगठन के चंद स्वार्थी पदाधिकारियों व कमजोर नेतृत्व और उदासीनता पूर्ण रवैये से अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने आप को कुछ वर्षों से दबे कुचले और दुखी महसूस कर रहे हैं। इसका परिणाम सभी ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव में देख चुके हैं। इससे साफ प्रतीत होता है कि जिले में भाजपा के परिवार जन सहित आमजन का अब भाजपा से मोहभंग हो चला है। देश प्रदेश में मोदी सरकार के तीन साल पूरे होने पर व प्रदेश सरकार की लाभकारी उपलब्धियां से जगह जगह जश्न का माहौल स्वयं भाजपाई मना रहे हैं केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां लोगों को बता रहे हैं। लेकिन सिवनी जिला भाजपा के भी हाल ही में तीन साल पूरे हुए हैं अगर यहां इनकी उपलब्धि पूंछी जाए तो शिवाय खुद के विकास के अलावा और कोई उपलब्धि नहीं गिनाई जा सकती। वर्तमान में अब तक के सबसे कमजोर नेतृत्व वाले संगठन से जिले में भाजपा को घाटा ही हुआ है नगर पालिका सिवनी और नगर परिषद बरघाट खोना पड़ा इतना ही नहीं आलोक दुबे के संगठन प्रमुख बनने के बाद से ही भाजपा का जनाधार भी कम होते चला गया आज पार्टी अर्श से फर्श पर आ चुकी है जबकि विपक्षी पार्टी कांग्रेस बहुत मजबूत होकर आगामी समय के लिए तैयार हो चुकी है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2, लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल

दूरभाष 0755 2465467

क्रमांक 19/व.ले.लि./सी. 2 / 2022-23 भोपाल, दिनांक 02.06.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यो हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्रं.	एन.आई.टी. क्रं.	सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाखों में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	भौतिक रूप से एनक्लप प्रस्तुत करने का कार्यालय
1	97/SAC dt 02.06.2023	2023_CPA_281239_1	राजधानी संभाग क्रमांक - 2, भोपाल के अधीन विभिन्न मार्गों के पॉट-होल रिपेयरिंग, पेच रिपेयर वर्क एवं अन्य विभिन्न कार्य।	रू. 50.00 लाख (रु. पचास लाख)	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	केवल ऑनलाईन प्रस्तुत करना है

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 14/06/2023 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

जी-14398/23

कार्यपालन यंत्री,
राजधानी संभाग क्रमांक-2 लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल दूरभाष 0755 2465467

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड, अरविन्द विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग़ मुंगालिया भोपाल

Phone No. 0755-2930001, E- Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in

क्रमांक 1756 / तक / का.यं. / लो.स्वा. / मैके.खण्ड / भोपाल / 2023 / दिनांक 02.06.2023

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 19 (तृतीय आमंत्रण) / 2023-24 दिनांक 02.06.2023 ऑन-लाईन

निविदा क्रमांक 2023_PHED_280613_1 दिनांक 02.06.2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2022-23 के दौरान बैतूल जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिंग मशीनों पर आवश्यकतानुसार हैवी लाईसेंसधारी पुरुष वाहन चालक (कुशल) तथा पुरुष मजदूर (अकुशल) उपलब्ध कराने हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 14.06.2023 सायं 17.30 बजे तक अनुभवी ठेकेदार से प्रपत्र "Anne&ure 2.10" पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली, लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन अपलोड करना होगा। निविदा दिनांक 16.06.2023 को सायं 15.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईट : https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्य का विवरण	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	टेण्डर का मूल्य (रू.)	टेण्डर बिक्री की तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	कार्य अवधि
मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2022-23 के दौरान बैतूल जिले में विभागीय ड्रिलिंग रिंग मशीनों पर आवश्यकतानुसार लाईसेंसधारी पुरुष वाहन चालक (कुशल) तथा पुरुष मजदूर (अकुशल) उपलब्ध कराया जाना।	670032/-	13400/-	2,000/-	05.06.2023 से 14.06.23 17.30 तक	16.06.2023 सांय 15.00 बजे	अनुबंध दिनांक से 08 माह हैवी

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेब साइट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2023_PHED_280613_1 दिनांक 02.06.2023 उपलब्ध हैं।

जी-14432/23

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा. यां. मैकेनिकल खण्ड भोपाल

10 जून महिला सशक्तिकरण की दिशा में म.प्र. का ऐतिहासिक दिन

जयसिंह कुशवाह

हमारे देश में महिला प्रतिभा की कमी नहीं है जब जब उन्हें मौका मिला है उन्होंने खुद को श्रेष्ठ साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी चाहे वह राजनैतिक क्षेत्र में हो सामाजिक क्षेत्र में हो या फिर व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं ने सदैव ही अपने उत्कृष्ट कार्यों से खुद को सिद्ध किया है। आज महिलाएं इस विकासशील भारत को विकसित बनाने के लिए अपना हर संभव योगदान कर रही है ।हमारे देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलाएं देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा विकास में भी बराबर की भागीदार हैं। आज के युग में महिला, पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

देश व समाज में महिलाओं की आर्थिक सामाजिक स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से प्रत्येक सरकारों चाहे वह केंद्र की हो या राज्य की सदैव से ही अपने अपने स्तर पर भरपूर प्रयास करती आ रही हैं । सरकारें विभिन्न योजनाओं के सहारे महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्य कर रही हैं । इसी क्रम में मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में चल रही महिला सशक्तिकरण की आंधी बहुत प्रभावशाली है । मुख्यमंत्री जी प्रदेश में पैदा होने वाली एक बच्ची को उसके पैदा होने की दिनांक से लेकर उसकी शिक्षा विवाह और तो और वृद्ध काल तक की व्यवस्था कर चुके हैं । ऐसी कई योजनाएं हैं जैसे कि बालिकाओं के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना ,गांव की बेटी योजना, मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना, जननी सुरक्षा योजना ,मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना , मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री स्कूटी

वितरण योजना, और भी कई प्रकार भी योजनाएं हमारी प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही है । आपको जानकर खुशी होगी कि मध्य प्रदेश सरकार पूरे देश मैं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक आदर्श सरकार के रूप में जानी जाती है मध्य प्रदेश सरकार से प्रभावित होकर कई राज्य सरकारें अपने राज्य क्षेत्र में इन योजनाओं को प्रारंभ कर चुके हैं जोकि मध्य प्रदेश सरकार के लिए एक गौरवान्वित करने वाली बात भी है।

अभी वर्तमान में चल रही लाडली बहना योजना तो इतनी प्रभावशाली है किस की मदद से मध्य प्रदेश की लाखों महिलाओं की जिंदगी संवरने वाली है । वे महिलाएं जो अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आर्थिक रूप से अपने पति परिवार पर निर्भर रहती थी अब बे स्वयं अपना खर्च उठा सकती है और जरूरत पड़ने पर अपने पति और परिवार को भी मदद कर सकती हैं इससे वे स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर तो बनेगी ही साथ ही रुपयों का उचित प्रबंधन करके भविष्य में किसी कुटीर उद्योग लघु उद्योग की सहायता से अपनी जीविका का भी निर्वहन कर सकती हैं ।

इन योजनाओं के माध्यम से हमारा कर्तव्य ही है लोक कल्याण और यह योजनाएं लोक कल्याण महिला कल्याण सशक्तिकरण के उद्देश्य से बेहतर कार्य कर रही हैं और इनके बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भर में भैया और मामा के रूप में प्रसिद्ध तो है ही साथ ही उन्होंने ना सिर्फ पूरे मध्य प्रदेश में बल्कि संपूर्ण देश में अपनी छवि एक नारीवादी चिंतक के रूप में तो बनाई ही है साथ ही भारत में महिला सशक्तिकरण व कल्याण के लिए चलाई जा रही सर्वाधिक योजनाओं के संचालन वाले मुख्यमंत्री के रूप में भी उभर कर सामने आए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अवनीश जैन का निधन

भोपाल। दैनिक भास्कर के नेशनल पॉलिटिकल एडिटर अवनीश जैन का गुरुवार रात निधन हो गया। वे लंबे समय से लीवर की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। पिछले 10 दिनों दिल्ली के यकृत एवं पित्त संस्थान में भर्ती थे। बुधवार को उन्हें दिल्ली से एयर एंबुलेंस से इंदौर बॉम्बे हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। जहां गुरुवार रात करीब 9.30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम यात्रा आज उनके निवास बी-2, 408 आनंदवन, पीपल्याहाना से सुबह 9 बजे तिलक नगर मुक्तिधाम जाएगी। जैन इससे पहले लंबे समय से वे मप्र-छग के राज्य संपादक रहे हैं। जैन इंदौर में भी दैनिक भास्कर के संपादक रह चुके हैं। वे 1996 से दैनिक भास्कर समूह से जुड़े थे। निधन की खबर मिलने के बाद सीएम शिवराजसिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सहित कई भाजपा व कांग्रेस नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है। भोपाल प्रेस क्लब के सतीश सक्सेना, अरुण पटेल, अरुण दीक्षित, संजीव आचार्य, नासिर खान, संजय सक्सेना, विजय शर्मा, संतोष परिहार, रूपेश गुप्ता आदि ने श्री जैन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है।

पुलिस आयुक्त एवं एडीजी (रेल) विभागाध्यक्ष घोषित

भोपाल। राज्य शासन ने आदेश जारी कर पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल) को विभागाध्यक्ष घोषित किया है। आदेश वित्तीय अधिकारों को दृष्टिगत रखते हुए जारी किया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (रेल) पुलिस महानिदेशक के अधीन ही पूर्वानुसार रहेंगे। रानी कमलापति नाम हुआ रेलवे पुलिस थाना हबीबगंज का शासकीय रेलवे पुलिस थाना हबीबगंज का नाम अब शासकीय रेलवे पुलिस थाना रानी कमलापति हो गया है। इस संबंध में 7 जून को मध्यप्रदेश राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित हो गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति रेलवे स्टेशन किया जा चुका है।

व्यापारी संघ ने अतिक्रमण, मल्टिलेवल पार्किंग जैसी समस्याओं को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। चौक बाजार व्यापारी संघ ने बाजार में अतिक्रमण, पार्किंग जैसी अन्य समस्याओ से अवगत कराते हुए इन परेशानियो को दूर करने की मांग कर ज्ञापन सौंपा। चौक बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि चोक बाज़ार एवं आसपास के क्षेत्र में पार्किंग की विकराल समस्या है, जिसके कारण आये दिन यहाँ जाम की स्थिति बन जाती है, और त्यौहारी सीजन में यह समस्या दिन भर बनी रहती है। ऐसे समय में यदि यहाँ के रहवासी आकस्मिक बीमारी या फिर आग लगने जैसी घटना के शिकार हो जाये तो उन्हें समय पर सहायता नहीं मिल पाती, जिसके कारण बड़ी हानि हो सकती है। संघ ने इस समस्या के निराकरण के लिये मल्टिलेवल पार्किंग का निर्माण कराने के लिये पार्किंग स्थलों की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि चोक बाजार की पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये हवामहल रोड पर चिरायु के सामने, मोती मस्जिद चोराहे के पास पड़े निगम के खाली स्थान, शीश महल, पुराना कबाड़खाना और यूनानी शफाखाना के पीछे मल्टिलेवल पार्किंग का निर्माण किया जा सकता है। कलेक्टर ने संघ से बातचीत के बाद आश्वासन दिया कि जल्द ही उनके द्वारा बाजार का दौरा किया जायेगा और समस्याओ को हल करने के प्रयास किये जायेगें। इस मौके पर अजय अग्रवाल, राहुल गुप्ता, विकास अग्रवाल, संदीप जैन, राजेश जैन, राकेश अग्रवाल, शैलेंद्र सोनी, राकेश अग्रवाल, अनुभव चोधरी, सोनू याधव मोजूद रहे।

बैंक ऑफ बड़ोदा का रूपे क्रेडिट कार्ड्स का यूपीआई से लिंक आरंभ

नई दिल्ली । बैंक ऑफ बड़ोदा और नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की पूर्ण अधिग्रहीत सब्सिडियरी, बीओबी फाईनेंशल सॉल्यूशंस लिमिटेड (बीएफएसएल) ने आज घोषणा की कि बैंक ऑफ बड़ोदा के क्रेडिट कार्ड धारक अब अपने रूपे क्रेडिट कार्ड्स का उपयोग यूपीआई के साथ भीम एवं अन्य यूपीआई इनेबल्ड ऐप्स पर कर सकते हैं। बीओबी फाईनेंशल इस परिवेश में रूपे क्रेडिट कार्ड के सबसे बड़े वितरकों में से एक है। इस सुविधा के बाद बैंक ऑफ बड़ोदा के रूपे क्रेडिट कार्ड यूज़र्स यूपीआई की सुविधा और सुरक्षा के भरोसे के साथ देश में क्यूआर कोड और पीओएस डिवाईस रखने वाले सभी मर्चैंट आउटलेट्स पर लेन-देन कर सकेंगे। इस अवसर पर संजीव चड्ढा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, बैंक ऑफ बड़ोदा ने कहा यूपीआई ने देश में भुगतान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। बीओबी फाईनेंशल को बैंक ऑफ बड़ोदा के रूपे क्रेडिट कार्ड्स द्वारा यूपीआई पर क्रेडिट कार्ड का लेनदेन संभव बनाने के लिए एनपीसीआई के साथ साझेदारी करने की खुशी है। यूपीआई पर क्रेडिट कार्ड लिंक होने से ग्राहकों को यूपीआई पर विनिमय करने की सुविधा और आसानी मिलती है, और साथ ही उन्हें क्रेडिट कार्ड के फायदे भी प्राप्त होते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को खजुराहो के चिल्ड्रन पार्क में वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक की।

प्रगतिशील कांग्रेस नाम से नई पार्टी बनाएंगे सचिन पायलट, 11 जून को होगा ऐलान

जयपुर। राजस्थान के विधानसभा चुनाव में चंद महीने ही शेष हैं, इस बीच कांग्रेस की अंदरुनी कलह विभाजन तक पहुंच सकती है। खबर है कि बागी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच किसी भी तरह का तालमेल बिठाने में हाईकमान असफल रहा है और अब पूर्व डिप्टी सीएम नई राह तय कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक पायलट ने तय कर लिया है कि वह नई पार्टी बनाएंगे। यही नहीं इसका नाम भी तय हो चुका है। पायलट प्रगतिशील कांग्रेस नाम से नई पार्टी बना सकते हैं। इस नए दल का ऐलान 11 जून को जयपुर में होगा। इस दिन सचिन के पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि भी है।

कांग्रेस हाईकमान ने दिल्ली में बुलाकर गहलोत और पायलट से मुलाकात की थी। तब कांग्रेस नेताओं ने दावा किया था कि सचिन और गहलोत साथ काम करने वाले हैं। यह भी कहा गया कि फॉर्मूले के तहत सचिन को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का फैसला हुआ है। हालांकि सचिन पायलट कैंप की ओर से ऐसी खबरों को खारिज कर दिया गया और उन्होंने कहा कि वह अपने मुद्दों पर डटे हुए हैं। अब चर्चा है कि सचिन पायलट 11 जून को जयपुर में एक रैली कर और हजारों समर्थकों की मौजूदगी में नया दल बनाने का ऐलान कर सकते हैं। पायलट यदि नई पार्टी बनाते हैं, तब इस बात पर भी होगी कि कांग्रेस के कितने विधायक उनके साथ जाते हैं? इसके अलावा गहलोत की सरकार के सामने कोई खतरा पैदा होगा या नहीं। इसके पहले 2020 में भी जब सचिन ने बागी तेवर अपनाए थे, तब उनके साथ 19 विधायक थे।

ब्रेव सीएफ और एमएक्स प्लेयर ने समझौते की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। दुनिया का सबसे तेजी से बढनेवाला एमएमए संगठन ब्रेव वीई कॉम्बेटफेडरेशन और भारत का नंबर 1 ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर ने एकऐतिहासिक, बहुवर्षीय समझौते की घोषणा की है। इसके तहत एमएमए मेंबढती रूचि को ध्यान में रखते हुए मार्शल आर्ट्स संगठन के कॉन्टेन्ट को सभीमहाद्वीपीय राष्ट्रों में वितरीत किया जाएगा। बहरीन के राजा के पांचवें बेटे महामहिम शेख खालिद बिन हमद अलखलिफा की दृष्टि के तहत स्थापित किया गया संगठन एक वैश्विक एमएम संगठन बन गया है। 6 साल के कार्यकाल में 28 देशों में सफर करने के बाद ब्रेव वीई कॉम्बेट फेडरेशन ऐसी एकमात्र वैश्विक मिक्स्ड मार्शल आर्ट्सकंपनी है, जिन्होंने भारत में और खासकरके मुंबई और हैदराबाद में इवेंट्स कीमेजबानी की है।ब्रेव सीएफ में आज के कुछ सर्वोत्तम भारतीय एमएमए फाइटर्स भी है और उन में नंबर वन भारतीय बेंटमवेट मोहम्मद फरहाद का भीसमावेश है।भारतीय फैन्स को इस खेल के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, देश में इसब्रांड और खेल को विकसित करनेवाले सबसे तेजी से बढनेवाले मिक्स्डमार्शल आर्ट्स संगठन और एशिया के सबसे बडे ओटीटी प्लेटफार्मों में से एकहोनेवाले एमएक्स प्लेयर द्वारा भारत में वितरीत किए।

चुनाव से पहले बीजेपी में बड़े बदलाव का एक्शन प्लान तैयार

मध्यप्रदेश में सरकार में कम, संगठन में ज्यादा फेरबदल के संकेत

भोपाल। इस साल 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव-2024 से पहले भारतीय जनता पार्टी संगठन में बड़े बदलाव की कवायद में जुटी है। पार्टी की अंदरूनी राजनीति से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस कवायद के तहत अगले कुछ ही दिनों में चुनावी राज्यों में प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष बदले जाएंगे। इस बदलाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ नई दिल्ली में मैराथन बैठक कर चुके हैं। सूत्रों की मानें तो प्रस्तावित बदलाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहमति की मुहर लगते ही इस बारे में औपचारिक ऐलान कर दिया जाएगा।

प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष बदले जाएंगे

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों से चिंतित बीजेपी के आला नेताओं ने इस साल 5 राज्यों (मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम) में होने वाले विधानसभा चुनाव और अगले साल लोकसभा चुनाव के लिए एक्शन प्लान पर अमल की तैयारी शुरू कर दी है। बदलाव की रूपरेखा तैयार करने के लिए विगत 5 और 6 जून को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ कई दौर की बैठक कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि इन बैठकों में केंद्रीय संगठन और राज्यों में नई टीमें तैयार करने पर विचार मंथन हुआ।

मध्यप्रदेश में बदलाव सरकार में कम संगठन में ज्यादा होगा

केंद्रीय संगठन में लंबे समय से महासचिव और उपाध्यक्ष के पद पर बने रहने वाले ज्यादातर नेताओं की विदाई तय मानी जा रही है। केंद्रीय संगठन में सभी खाली पदों को भी भरने के लिए संभावित नामों पर सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक अगले कुछ ही दिनों में पार्टी संगठन में बड़े बदलाव के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल और मध्यप्रदेश के मंत्रिमंडल में भी फेरबदल को अंजाम दिया जाएगा। मध्यप्रदेश में सरकार और संगठन दोनों के ही स्तर पर बदलाव अवश्यमंभावी माना जा रहा है। लेकिन ये बदलाव सरकार में कम और संगठन के स्तर पर ज्यादा होगा। चूंकि पार्टी नेतृत्व में प्रदेश में संगठन के कामकाज से संतुष्ट नहीं है। इसलिए वो बदलाव के लिए ज्यादा ऊर्जा प्रदेश में संगठन की शक्ति बढ़ाने में लगा रहा है। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को कोई महत्वपूर्ण भूमिका मिलना तय माना जा रहा है।

बड़े चेहरों को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में कई राज्यों के प्रभारियों के बदलाव पर सहमति बनी। इसमें राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के प्रभारी बदले जाने के संकेत हैं। संगठन में बदलाव की कवायद में केंद्र सरकार में शामिल 2 बड़े चेहरों को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है। मोदी सरकार में इन 2 बड़े चेहरों के रूप में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का नाम लिया जा रहा है। इन दोनों में से एक को लोकसभा चुनाव की दृष्टि से बीजेपी के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया जा सकता है। संगठन में अहम जिम्मेदारी के लिए तीसरा नाम गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष सीआर पाटिल का भी लिया जा रहा है। बता दें कि धर्मेंद्र प्रधान को 2022 के विधानसभा चुनाव में यूपी का प्रभारी बनाया गया था। उन्होंने यूपी विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था। भूपेंद्र यादव को भी संगठन में कार्य करने का लंबा अनुभव है। पाटिल ने गुजरात बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी की बड़ी जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई थी। चुनाव में उनके बूथ मैनेजमेंट की तारीख पीएम मोदी भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कर चुके हैं। कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष को भी बदलने पर सहमति बनी है।

ट्रांसयूनियन सिबिल ने वी अनंतरामन को चेयरमैन नियुक्त किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी अंतर्दृष्टि और सूचना प्रदाता कंपनी, ट्रांसयूनियन सिबिल ने आज श्री वी अनंतरामन को गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने की घोषणा की। उन्होंने श्री एम वी नायर से पदभार ग्रहण किया। श्री नायर ने ग्यारह साल से अधिक समय तक असाधारण नेतृत्वकर्ता के रूप में इस अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। उन्होंने उपभोक्ताओं, व्यवसायों और कंपनी के लाभ के लिए ट्रांसयूनियन सिबिल एडवांस क्रेडिट रिपोर्टिंग एवं वित्तीय समावेशन में सहायता की है।

श्री अनंतरामन उद्योग जगत की एक दिग्गज शख्सियत हैं, जो स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, क्रेडिट सुइस, ड्यूश बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फर्मों में कॉर्पोरेट और निवेश बैंकिंग टीमों का नेतृत्व करने वाले वित्तीय सेवा क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण शासन जिम्मेदारियों के साथ भारत और सिंगापुर में वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। वह ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (पूर्व में सीडीसी), यूके के डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन के एक वरिष्ठ सलाहकार भी थे। वह द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड, एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी, आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड और ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड के बोर्ड में कार्यरत हैं। वह लाइटहाउस फंड्स के सलाहकार भी हैं, जो एक उपभोक्ता और स्वास्थ्य सेवा केंद्रित मिड-मार्केट प्राइवेट इक्विटी फर्म है। अनंतरामन ने एक्सएलआरआई से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और जादवपुर विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

अपनी नियुक्ति के बारे में बताते हुए, श्री अनंतरामन ने कहा, ट्रांसयूनियन सिबिल ने भारत भर में उपभोक्ताओं के लिए क्रेडिट अवसरों को सुलभ बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्रेडिट संस्थानों को अधिक सूचित ऋण निर्णय लेने में सक्षम बनाया है और खुदरा और एमएसएमई क्रेडिट के निरंतर विकास का समर्थन किया है। मैं भारत की अग्रणी क्रेडिट सूचना कंपनी के विकास और उन्नति में मूल्य जोड़ने का इच्छुक हूं, जो भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण और प्रमुख इकाई है।

ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री राजेश कुमार ने कहा, एक दशक से अधिक समय से ट्रांसयूनियन सिबिल ने ऐसे समाधान प्रदान किए हैं जो लाखों लोगों के लिए आर्थिक अवसर, शानदार अनुभव और व्यक्तिगत सशक्तिकरण बनाने में मदद करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अनंतरामन का समृद्ध अनुभव और विशेषज्ञता आने वाले युग में विकास को दिशा देने के लिए आवश्यक दूरदर्शी दिशा प्रदान करेगी, श्री राजेश कुमार, एमडी और सीईओ, ट्रांसयूनियन सिबिल ने कहा। मैं भारत के लोगों की सेवा करने के लिए विकास और नवाचार में मदद करने के लिए ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रति उनके नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए श्री नायर के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं।

पिछले एक दशक में ट्रांसयूनियन सिबिल ने क्रेडिट संस्थानों को 48 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं और 3 करोड़ वाणिज्यिक संस्थाओं को ऋण उपलब्ध कराने में मदद की है। इसने क्रेडिट संस्थानों को सूचित क्रेडिट निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए डेटा और अंतर्दृष्टि प्रदान करके भारत में ऋण देने को उत्प्रेरित करने में मदद की है।

फास्ट्रैक स्मार्ट पेश करते हैं नई टीडब्ल्यूएस सीरीज़ एफपॉड्स

बैंगलोर , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े यूथ फैशन एवं टेक एक्सेसरीज़ ब्राण्ड फास्ट्रैक स्मार्ट ने ट्रूली वायरलैस बड्स की नई रेंज एफ्मॉड्स का लॉन्च किया है। तीन वेरिएन्ट्स एफ्एस 100, एफ्एक्स 100, एफ्जैड100 में लॉन्च किए गए एफ्मॉड्स, ऑडियोफिलिस की बड़ी वैरायटी लाते हैं। ये आधुनिक ईयरबड्स खासतौर पर भारतीय उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो आधुनिक ब्लूटुथ वी 5.3 टेक्नोलॉजी एक्स्ट्रा डीप बास और 40 एमएस तक की लो लेटेन्सी के साथ ऑडियो का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेंगे। इन्हें फ्लिपकार्ट पर रु 995 की स्पेशल लॉन्च कीमत पर पेश किया गया है।

फास्ट्रैक सर्वश्रेष्ठ तकनीक वाले ऐसे प्रोडक्ट्स लेकर आता है जो भारतीय उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरें और उन्हें शानदार साउण्ड क्वालिटी के साथ आरामदायक अनुभव प्रदान करें। एफ्मॉड्स भी कुछ अलग नहीं है, ब्राण्ड ने ट्रूली वायरलैस बड्स की नई रेंज बनाते समय इसके डिज़ाइन पर विशेष रूप से ध्यान दिया है।

50 घण्टे तक चलने वाली लम्बी बैटरी लाईफ के साथ एफ्मॉड्स, निर्बाध और एक्स्ट्रा प्लेटाईम देते हैं। और रीचार्ज की बात करें तो इसकी नाइट्रो फास्ट चार्ज टेक्नोलॉजी इसे तेज़ी से चार्ज कर देती है। टाईप सी पावर केबल से सिर्फ10 मिनट चार्ज करने के बाद आप 200 मिनट तक प्लेटाईम का लुत्फ़ उठा सकते हैं। फास्ट्रैक एफ्मॉड्स को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि ये आपके कानों में आराम से फिट हो जाते हैं और सभी यूज़र्स को परफेक्ट फिट देते हैं। इसके तीनों वेरिएन्ट्स एफ्एस 100, एफ्एक्स 100, एफ्जैड100 क्वैड माईक एनवायरनमेन्ट नॉइस कैंसीलेशन फीचर के साथ आते हैं, जो कॉल्स के दौरान क्रिस्टल क्लियर ऑडियो को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। आईपीएक्स 5 रेटिंग और गेमिंग मोड के चलते ये वर्कआउट और गेमिंग के लिए भी परफेक्ट हैं।

इस अवसर पर रवि कप्पूराज, सीओओ, स्मार्ट वियरेबल्स, टाइटन कंपनी लिमिटेड ने कहा, ''हमें खुशी है कि हम एफ्मॉड्स सीरीज़ के लॉन्च के साथ फास्ट्रैक स्मार्ट के तहत स्मार्ट ऑडियो डिवाइसेज़ के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं। नए लॉन्च की गई यह ट्रूली वायरलैस बड्स रेंज उपभोक्ताओं को आधुनिक टेक्नोलॉजी वाली फंक्शनल एक्सेसरीज़ उपलब्ध कराने के हमारे वादे को दर्शाती है। इस हियरेबल कैटगरी में ढेरों फीचर्स हैं और इसके साथ हम उपभोक्ताओं के अनुभव को नए स्तर तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

आज निगम कार्यालय के सामने धरना देंगे नल आपरेटर

छिंदवाड़ा। 5 सूत्रीय मांगों को लेकर आज 9 जून से पंचायत से नगर निगम में आए नल आपरेटर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। संघ के अध्यक्ष सुरेश उईके ने बताया कि सभी नल ऑपरेटर ने हड़ताल को लेकर रणनीति बनाई और आज प्रातः 8 बजे से नगर निगम कार्यालय के सामने धरने पर बैठने का निर्णय लिया गया। उन्होने बताया कि नगर निगम के 24 गांव की 16 पंचायत के नल आपरेटर वार्डो में पानी सप्लाई नहीं करेंगे।

बड़े पैमाने चल रहा अवैध रेत का उत्खनन

छिंदवाड़ा। चांद क्षेत्र के अंतर्गत सोनारी मोहगांव क्षेत्र में अवैध रेत का उत्खनन किया जा रहा है लेकिन पुलिस और खनिज विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। बड़े पैमाने पर पर हो रहे अवैध उत्खनन के काम में जेसीबी एवं ट्रक के माध्यम से रेत निकाली जा रही है। बताया जाता है कि जिस स्थान पर रेत का ठेका हुआ है उस स्थान पर रेत का उत्खनन न कर दूसरे स्थान पर अवैध रूप से रेत उत्खनन किया जा रहा है और खुलेआम चल रहा है। इस मामले की जानकारी खनिज विभाग के अधिकारियों और चांद पुलिस को है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नवाचार पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

बिछुआ। शासकीय महाविधालय बिछुआ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मनीता कौर विरदी ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में डॉ.नवीन कुमार चौरसिया ने व्यापार के लिए स्किल पे पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ सूर्यकांत शुक्ल ने उद्यमिता क्या है और एक उद्यमि व्यापार के लिए कैसे जोखिम उठाया है विस्तारपूर्वक बताया। डॉ कविता चहल ने मधुमक्खी व मुर्गी पालन के बारे में बताया कि कैसे नवाचार कर सकते है। डॉ.स्मिल बेलिया ने बताया की छोटे छोटे घरेलू उद्योग से भी स्टार्टअप किया जा सकता है और एक सफल उद्यमी बन सकते है। मदन ठाकरे ने बताया कि व्यापार के लिए धन व ऋण की आवश्यकता होती है जिससे आप कोई व्यापार आरंभ कर सकते है। कार्यशाला का संचालन डॉ. मनीता कौर ने किया व आभार रामप्रकाश डेहरिया ने किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ. आर.पी. यादव, आई क्यू ए सी संयोजक डॉ. पूजा तिवारी, श्रीमती शशि उईके, सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ व विधार्थी उपस्थित रहे।

जय शिक्षा समिति ने कराया ध्यान, योग

अमरवाड़ा। हार्टफुलनेस सन्स्था हैदराबाद और मध्यप्रदेश

जन अभियान परिषद द्वारा ध्यान, योग , मुद्रा शिविर आयोजन अमरवाड़ा विकासखण्ड के सेक्टर 4 में विश्वव योग दिवस 21 जून की तैयारियों को लेकर लगातार ध्याटन, योग कराया जा रहा है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री कुलदीप सिंह ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में तथा विकासखण्ड समन्वयक सुश्री वंदना राकेशिया के नेतृत्व में ग्राम सिगोंड़ी ,पटनिया, गढाछोटा, बडेगाव सहित समस्त ग्रामो में 3 सिटिंग में योग, ध्यान कराया जा रहा है । जिसमे हैदराबाद से आये प्रशिक्षक लगातार लोगो को कुशल मार्गदर्शन दे रहे हैं । जिससे लोग स्वस्थ्य भी हो रहे हैं। 21 जून विश्व योग दिवस से पूर्व समस्त विकासखण्ड में गाँव गाँव जाकर सभी ग्रामवासियों को योग कराया जा रहा है। इस अवसर पर जय शिक्षा समिति अध्यक्ष डी पी मालवीय , समिति अध्यक्ष की उपस्थिति सहित सभी , रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग मिल रहा है, इस अवसर पर ग्रामवासियों की उपस्थिति रही ।

महापौर विक्रम अहके हेलो महापौर के प्रकरणों की समीक्षा

छिंदवाड़ा। नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा की शहर

सरकार द्वारा हेलो महापौर से आम नागरिकों का जुड़ाव दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। महापौर विक्रम अहके बताया कि हेलो हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई जिसमें निगम के सभी शाखा प्रमुख शामिल हुए। हेलो महापौर में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश बैठक में दिए गए । बैठक में अतिक्रमण, पानी टैंकर, स्ट्रीट लाइट आदि शिकायतों की समीक्षा की गई। इस हेल्पलाइन के माध्यम से शहर का कोई भी नागरिक सीधे महापौर तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 06 बजे तक अपनी समस्या को साझा कर सकते है।

महिलाओं में दिखा उत्साह 10 जून को खाते में आएंगे 1000 रूपए

सिंगोड़ी। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आज विशेष महिला ग्राम सभा का आयोजन शासन के दिशा निर्देश अनुसार आयोजित की गई जिसको लेकर महिलाओं को मिलने वाले लाडली बहना योजना के अंतर्गत रू.1000 की राशि को लेकर स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया जिसमे दिनांक 10 जून को प्रदेश के प्रत्येक पात्र महिलाओ के बैंक खाते में एक हजार रुपए की राशि आएगी। जिसको लेकर स्वीकृति पत्र के माध्यम से पात्र महिलाओं को 10 जून तक उनके खाते में रू.1000 की राशि प्रदाय की जाएगी जिसको लेकर आज सैकड़ों की संख्या में महिलाएं ग्राम पंचायत भवन सिंगोड़ी में उपस्थित रही।ग्राम पंचायत के सरपंच और जन प्रतिनिधियो के द्वारा उक्त प्रमाण पत्रो का वितरण किया गया। इस अवसर पर सिंगोड़ी सरपंच कपिल ठाकुर, भाजपा के वरिष्ठ नेता पुष्प कुमार जैन, परसादी पटेल, मंडल महामंत्री ऋषि कांत ठाकुर,भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अनमोल बत्रा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

वर्षा के जल निकासी की व्यवस्था में लापरवाही बर्दास्त नहीं

निगमायुक्त ने ली समय सीमा की बैठक, दिए सख्त निर्देश

छिंदवाड़ा। निगमायुक्त राहुल सिंह ने निगम सभाकक्ष में समय सीमा बैठक ली। निगमायुक्त ने बैठक में सबसे पहले निकाय के सभी जलभराव क्षेत्रों की एक-एक करके समीक्षा की जिसमें उन्होंने वर्षा जल की निकासी की उचित व्यवस्था करने के निर्देश सभी उपयंत्रियो एवं स्वच्छता निरीक्षक को दिए। बैठक में शहर के सभी प्रमुख नालों की सफाई की समीक्षा निगमायुक्त ने की जिसमें नाला सफाई के पूर्व एवं पश्चात के फोटोग्राफ का प्रदर्शन किया गया। निगम आयुक्त के आदेश अनुसार शहर के सभी नालों की सफाई मशीनों एवं कर्मचारियों द्वारा सतत रूप से की जा रही है।

समन शुल्क जमा न करने वाले भवनों को नोटिस

निकाय अंतर्गत निर्मित 5000 से अधिक वर्ग फीट के भवनों को निगम आयुक्त के आदेश पर नोटिस जारी किया गया नोटिस जारी होने के उपरांत निगमायुक्त ने सभी वेल्डिंग इंस्पेक्टर को निर्देशित किया है कि समन शुल्क ना जमा करने वाले भवनों पर कार्यवाही प्रस्तावित करें। लंबित भवन अनुज्ञा प्रकरणों की समीक्षा करते निगमायुक्त ने सभी प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। जनसेवा अभियान एवं विकास यात्रा के दौरान स्वीकृत किए गए कार्यों की समीक्षा निगमायुक्त ने की एवं प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। निगम आयुक्त राहुल सिंह ने विद्युत शाखा के अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की भी समीक्षा की। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत जी एफ सी फाइव स्टार रेटिंग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने सभी मानकों पर ध्यान देने एवं अधिकारियों को दिए एवं सतत रूप से वार्ड में भ्रमण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री कायाकल्प अभियान के अंतर्गत शहर के मुख्य सड़कों के उन्नयन की समीक्षा की गई इसके साथ ही अप्रारंभ संजीवनी क्लीनिक के भवनों के निर्माण को तत्काल प्रारंभ करने एवं निर्माणाधीन भवन को 15 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए।

भवन निर्माण न करने वाले हितग्राहियों से रिकवरी करें

प्रधानमंत्री आवास अंतर्गत राशि अनुदान प्राप्त करने वाले 232 हितग्राहियों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने उपयंत्रीयों को निर्देशित किया कि भवन निर्माण न करने वाले हितग्राहियों की नस्तियां तीन दिवस के भीतर सहायक आयुक्त को प्रस्तुत की जाए एवं निगम कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सहायक आयुक्त राशि प्राप्त करने के उपरांत भी भवन का निर्माण करने वाले लोगों से राशि के रिकवरी की कार्यवाही करें। अग्निशमन स्थल भवनों की सूची प्राप्त होने के उपरांत निगमायुक्त ने फायर एनओसी प्राप्त ना करने वाले भवनों को नोटिस देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बैठक में निगम आयुक्त द्वारा सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा प्रकरण, कलेक्टर टीएल एवं जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त कमलेश निरगुड़कर, कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली, सहायक आयुक्त अशोक भामोलिया सहित समस्त अधिकारी शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

सिकलसेल की दवाई का हुआ नि:शुल्क वितरण

छिंदवाड़ा। सिकलसेल एक गंभीर बीमारी है, जिसके परिणाम बहुत ही घातक होते है, तथा यह बीमारी अनुवांशिक होती है, जो कि माता पिता से संतान को होती है, ऐसी परिस्थिति में संतान को रक्ताल्पता जैसे गंभीर परिणामो से गुजरना होता है, कई मरीजो के तो समय पर उपचार प्राप्त न होने की वजह से प्राण तक नही बच पाते है। अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन दिल्ली के छिंदवाड़ा इकाई द्वारा गजेंद्र बंटी डेहरिया जी के माध्यम से स्थानीय अपना पॉली क्लीनिक छिंदवाड़ा में दूरस्थ क्षेत्रों से आये सिकलसेल के मरीजों को नि:शुल्क जीवनदायिनी दवा Sailin HbS का वितरण किया गया, तथा मरीजो नि:शुल्क खून की जांच भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से पधारे मरीजो में सामाजिक जनों की अधिक संख्या रही, मरीज ने नि:शुल्क दवा पाकर एक उम्मीद के साथ संगठन को बहुत सारी शुभकामनाएं व अनेकानेक धन्यवाद प्रदान किया। मरीजो के परिजनों ने संगठन का बहुत शुक्रिया कर संगठन का उत्साह वर्धन कर उपस्थित सदस्यों को प्रेम स्वरुप अनेकानेक आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष के एल बरडे , ब्लाक अध्यक्ष होरिलाल वाचक, महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती क्रांति डेहरिया , प्रदेश संगठन सचिव मनोज डेहरिया , राष्ट्रीय संगठन सचिव गजेन्द्र बंटी डेहरिया जी सहित भारी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक/विधवाओं से पेंशन संबंधी जानकारी अपडेट कराने का अनुरोध

छिन्दवाड़ा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जया जेवियर (से.नि.) द्वारा जिले के सभी पूर्व सैनिक/विधवाओं से अनुरोध किया गया है कि वे अपना और अपने परिवार का आधार कार्ड, पी.पी.ओ.नंबर, पेन कार्ड, मोबाइल नंबर और पेंशन खाता संबंधी जानकारी तत्काल जिला सैनिक कल्याण कार्यालय छिंदवाडा में अपडेट करायें। जानकारी अपडेट नहीं होने पर पेंशन प्राप्त करने में रुकावट आ सकती है जिसके लिये संबंधित पूर्व सैनिक/विधवा स्वयं जबाबदार रहेंगी ।

पानी की मांग को लेकर सरपंचों ने सौंपा ज्ञापन

परासिया। मन्धान डैम में पानी खत्म होने के बाद सबसे ज्यादा 5 ग्राम प्रभावित हुए हैं इन ग्रामीणों को पेचवेली जल प्रदाय परियोजना के द्वारा पीएचई जलापूर्ति करती है। गुरुवार को सरपंच संघ अध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव के नेतृत्व में अंबाडा सरपंच भारती उइके, इकलहरा सरपंच साधना दास, भाजीपानी उपसरपंच सचिन सूर्यवंशी, भमोड़ी सरपंच, जाटाछापर उपसरपंच रूपेश राय के द्वारा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पुष्पेंद्र निगम को ज्ञापन सौंपकर पानी की व्यवस्था बनाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि पेंचवेली जल प्रदाय परियोजना से ग्राम अंबाडा इकलेहरा भमोड़ी भाजीपानी जाटाछापर को पीएचई द्वारा पेयजल आपूर्ति की जाती है पीएचई के कार्यपालन यंत्री द्वारा पत्र लिखकर सूचित किया गया है कि मन्धान में डेड स्टोरेज हो गया है और पानी का अंतराल बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में 5 से 6 दिन में पानी मिल रहा है जिसके कारण पहले से ही जल संकट की स्थिति है अंतराल बढ़ाने के बाद स्थिति और भयावह हो जाएगी। पंचायतों को जल परिवहन की स्वीकृति नहीं मिली है वही वेकोलि द्वारा भी जल परिवहन को लेकर पंचायतों को कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है। इसके पूर्व जल संकट निवारण समिति की बैठक में लिए गए निर्णय पर कोई कार्यवाही नहीं होने से यह स्थिति निर्मित हुई है। ज्ञापन में उपरोक्त ग्राम पंचायतों में पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने की मांग की गई है। एसडीएम पुष्पेंद्र निगम ने जल आपूर्ति के संबंध में पेंच एवं कन्हान के महाप्रबंधक से फोन पर चर्चा की तथा पीएचई के अधिकारियों की बैठक बुलाकर जल उपलब्ध कराने की कार्य योजना पर विचार विमर्श किया है।

संघर्ष का नया इतिहास रचेंगे: अनिल सूर्यवंशी

छिंदवाड़ा। क्रांतिकारी पुरानी पेशन संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल सूर्यवंशी ने बताया कि एन. पी. एस. का विरोध कर पुरानी पेंशन लागू करने के लिये पूरे मध्यप्रदेश के समस्त विभागों के सरकारी कर्मचारियों के अलग-अलग प्रकोष्ठ का गठन करके संघ का विस्तार करेंगे, और पुरानी पेंशन के लिये अगस्त माह में एक वृहद आंदोलन किया जायेगा । ऐसा आंदोलन जो आज तक कभी नहीं हुआ हो, भारत सरकार ने 1 जनवरी 2005 से पुरानी पेंशन को बंद करके नई पेंशन स्कीम (एन.पी.एस.) को लागू कर दिया । एन. पी. एस. में सरकारी कर्मचारी का 10 प्रतिशत पैसा जमा होता है, और सरकार 14 प्रतिशत उसमें मिलाकर एन.एस.डी.एल. कंपनियों को दे देती है । 62 साल की उर्म्र में जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होता है तो कुल जमा पैसे का 60 प्रतिशत पैसा ही वापस होता है, और 40 प्रतिशत राशि कंपनी अपने पास में रखकर पेंशन के रूप में देती है, जो कि आज वर्तमान में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी को 1000 से 2000 तक होती है, 62 साल की उम्र में इतने कम पैसे में कैसे गुजारा होगा । साथ ही यदि सेवारत रहते हुये सरकारी कर्मचारी स्वर्गवास हो जाता है तो उसको 20 प्रतिशत की राशि वापिस होती है और 40 प्रतिशत की पेंशन बनती है और 40 प्रतिशत कंपनी अपने पास रख लेती है, अब प्रश्न उठता है कि यदि हम सरकारी कर्मचारी हैं तो पेंशन हमें प्रायवेट कंपनी क्यों दे, यदि एन.पी.एस. इतना अच्छा है तो सभी विधायकों व सांसदों को भी एन.पी. एस. मिलना चाहिये । मध्य प्रदेश के समस्त कर्मचारियों से आग्रह है कि उठो जागो, और संघर्ष करो ।

लाड़ली बहना योजना के तहत ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा

बिछुआ। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत बिछुआ की विकासखंड की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा आयोजित हुई। छिंदवाड़ा सीएम फैलो गौरव जैन ने बताया की ग्राम पंचायत खमारपानी, गढ़ेवानी, देवरी में आयोजित ग्राम सभाओं में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र उमेश साहू, जमुना चौरिया, दुर्गेश सोनी, आशीष गोदेवार, डालसिंग सोनेवार, किरण वर्मा, निलेश उइके, पूनम उइके, इमलिया गजाम, निखिल परतेती ने योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सरपंच अर्चना सुरेश परतेती, शिवराम कायदा, संजीव उइके, सचिव माखनलाल माण्ड़ेकर,

रामदेव बाबा नगर कालोनी पार्क में नहीं हैं कर्मचारी

छिन्दवाड़ा। रामदेव बाबा नगर सिवनी प्राणमोती कालोनी में नगर पालिका द्वारा पार्क बनाया गया है, किन्तु नगर पालिका द्वारा उसकी कोई देख रेख नहीं की जाती, कालोनी वाले ही देखरेख करते है, वहां हाई मास्क का पोल तो लगा दिया गया किन्तु उसमें लाईट नहीं लगाया गया है। कालोनी वालों ने नगर पालिका द्वारा पार्क की व्यवस्था हेतु कर्मचारी नियुक्ति की मांग की है।

मिलकर बनाएंगे स्वच्छ एवं सुंदर छिन्दवाड़ा: दीपकराज जैन

सर्वोदय अहिंसा ने बैडमिंटन संघ सहित खिलाड़ियों को दिलाया स्वच्छता का संकल्प

छिन्दवाड़ा। हम संकल्प लेते हैं कि छिन्दवाड़ा को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर बनाकर माँ भारती का गौरव बढ़ाएंगे ओर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मध्य प्रदेश ही नही पूरे देश मे छिन्दवाड़ा को प्रथम पायदान पर लावेंगे। हम स्वच्छता का शुभारंभ स्वयं से अपने परिवार से अपने कार्यालय के साथ अपनी समाज से कर स्वच्छता को अपनी आदत में लाएंगे। हम न तो गंदगी करेंगें ओर न ही किसी को गंदगी करने देंगे।उक्त संकल्प जिला ओलंपिक संघ के बैडमिंटन हाल में बेडमिंटन संघ सहित खिलाड़ियों को दिलाया सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर दीपकराज जैन ने। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर राहुल सिंह, आर. आई. आशीष तिवारी, खेल प्रमोटर इंद्रजीत सिंह बैंस, बेडमिंटन संघ सचिव जावेद खान, प्रो. अनिल जैन सहित बड़ी संख्या खेल प्रेमी, गणमान्य नागरिक, अभिभावकों सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। सभी ने नगर पालिक निगम का साथ देकर छिन्दवाड़ा को नम्बर वन पायदान पर लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमिश्नर राहुल सिंह ने कहा कि स्वच्छता की ओर बढ़ाया गया एक कदम छिन्दवाड़ा को अब्बल स्थान दिलायेगा सिर्फ आवश्यकता है आप सभी के सहयोग की, छिन्दवाड़ा के एक एक नागरिकों के सहयोग से ही हम ये मुकाम हासिल कर सकते हैं।कार्यक्रम का संचालक दीपकराज जैन ने सभी से अपील करते हुए कहा कि हम सब मिलकर ही छिन्दवाड़ा को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए सकते हैं अत: इस पवित्र कार्य में आप सभी का सहयोग आवश्यक है। सफल आयोजन के बाद इंद्रजीत सिंह बैस एवं जावेद खान ने सभी अतिथियों सहित विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा के स्वच्छता दूतों के सहयोग की अपील कर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आज आयेंगे कमलनाथ एवं नकुलनाथ

चार दिवसीय प्रवास पर छिंदवाड़ा में रहेंगे

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ का अपने चार दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिनांक 9 जून से 12 जून तक अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। इस चार दिवसीय दौरे के अंतर्गत श्री कमलनाथ व श्री नकुलनाथ पांच जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे तथा हर्रई नगर में सांसद श्री नकुलनाथ का रोड शो सम्पन्न होगा। सांसद कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलनाथ का दिनांक 9 जून को दोपहर 1.30 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे, 9 जून को ही सांसद कुलनाथ का नागपुर होते हुये सांय 5.40 बजे छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत वे जिला कांग्रेस द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

दिनांक 10 जून को कमलनाथ व नकुलनाथ प्रातः 11 बजे चौरई विधानसभा क्षेत्र के बिछुआ नगर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करने के उपरांत प्रातः 12.15 बजे नवेगांव ब्लॉक में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होंगे। छिन्दवाड़ा आगमन के उपरांत नकुलनाथ दोपहर 2.00 बजे खजरी में आयोजित पाल समाज के कार्यक्रम में सम्मिलित होने के उपरांत दोपहर 2.30 बजे पिपरिया गुमानी में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करने के बाद अपरान्ह 3.30 बजे छिन्दवाड़ा विकासखण्ड के ग्राम कोटलबर्री में आयोजित कार्यक्रम को उदबोधित करेंगे। तत्पश्चात वे सांय 5.20 बजे नगर के कोलाढ़ाना में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। सांय 6 बजे श्री कमलनाथ एवं श्री नकुलनाथ स्थानीय मोती पैलेस में छिन्दवाड़ा ग्रामीण नगर निगम की बैठक में उपस्थित होंगे।

दिनांक 11 जून को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ प्रातः 11 बजे जामई में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम उपरांत वे दोपहर 12.30 बजे मोहखेड़ विकासखंड के ग्राम मैनीखापा में आयोजित किसान सम्मेलन में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम पश्चात छिन्दवाड़ा आगमन के उपरांत नकुलनाथ हर्रई के लिये प्रस्थान करेंगे जहां वे दोपहर 2.25 बजे से आयोजित रोड शो में सम्मिलित होकर आमजन से रूबरू होंगे। सांय 5.45 बजे सांसद का छिन्दवाड़ा आगमन होगा। दिनांक 12 जून को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ छिन्दवाड़ा से जबलपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।

सिंगोड़ी बस स्टैंड में पकड़ाया सट्टा

अमरवाड़ा थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के बस स्टैंड में पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को सट्टा पट्टी काटते हुए धर दबोचा जिसके पास से सैकड़ों रुपए दर्जनों सट्टा पट्टी जप्त किया

दहेज प्रतिषेध अधिनियम में की गई कार्रवाई

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत एक्सचेंज ऑफिस के पास रहने वाली नवविवाहिता जोकि लगभग 1/2 वर्षों से अपने मायके हिरी मैं रह कर गुजर-बसर करके जीवन यापन करने पर मजबूर ऐसी महिला ने अमरवाड़ा थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई दिनांक 18 जुलाई 2021 से 22 सितंबर 2021 की दरमियान मोटरसाइकिल एवं फ्रिज की मांग करके उसका पति अरुण हमेशा मानसिक रूप से प्रताड़ित कर अपने मायके से दहेज लाने की मांग करता रहा मायके पक्ष के लोगों ने आकर समझाया लेकिन वह नहीं माना और अपने घर से निकाल दिया पत्नी द्वारा पति अरुण के विरुद्ध मानसिक रूप से प्रताड़ित कर बार-बार दहेज की मांग करना एवं घर से निकाल देने की रिपोर्ट पर नगर निरीक्षक मोहन सिंह मैं विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

आपकी शहर सरकार आपके द्वार, लेकर पहुँच रही है विकास कार्यों की बहार

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिंदवाड़ा जिले के लाड़ले सांसद नकुलनाथ के अनुरूप छिंदवाड़ा की शहर सरकार छिंदवाड़ा के चौतरफा विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसका परिणाम है कि शहर सरकार प्रत्येक वार्ड में जाकर विकास कार्यों को गति दे रही हैं एवं वार्डवासियों की समस्या से अवगत हो रही हैं एवं जैसा कि चुनावी दौरान वादा किया गया था कि कांग्रेस की नगर निगम बनने के बाद जनता को नगर निगम के चक्कर नही लगाने पड़ेंगे अपितु नगर निगम की शहर सरकार खुद आपके द्वार आकर आपकी समस्याओं से अवगत होगी एवं यथास्थान पर हर सम्भव समाधान करेगी उसी वचन को निभाने का काम छिंदवाड़ा की शहर सरकार कर रही हैं एवं आपका महापौर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 12 में विधायक निधि से स्वीकृत शिव मंदिर में टीन शेड एवं चेकर्स लगवाने हेतु भूमिपूजन किया गया एवं कमलनाथ का आगामी विधानसभा चुनाव में जो वचन है 500रुपये में सिलेण्डर, 100 यूनिट बिजली बिल माफ एवं 200 यूनिट बिजली बिल हॉफ एवं नारी सम्मान योजना के अंतर्गत प्रत्येक महिला को 1500 रुपये महीना दिया जाना है जिसके बारे में वार्डवासियों एवं महिलाओं को अवगत कराया गया एवं हेतु माताओ-बहनों के बीच पहुँचकर नारी सम्मान योजना के फॉर्म भरवाए गए एवं कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने हेतु सभी वार्डवासियों से अपील की गई जिसका सभी वार्डवासियों द्वारा पुरजोर समर्थन किया गया एवं कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने का वार्डवासियों में भरपूर उत्साह देखा गया इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से छिंदवाड़ा महापौर बड़े भैया विक्रम अहके निगम अध्यक्ष सोनू मागो, सभापति नमिता मनोज सक्सेना, जोन प्रभारी नितिन उपाध्याय, वार्ड अध्यक्ष अनिल यादव, पार्षद प्रत्याशी दीपिका यादव, बूथ प्रभारी अमित ठाकुर, बूथ प्रभारी मुकुंद यादव, आईटी सेल अध्यक्ष सतीश राय जी, मुकेश मैद, सन्तोष उईके, राजा दुबे सहित भारी संख्या में महिलाएं एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

युनाइटेड फोरम के प्रदेश अध्यक्ष ने कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को एकजुट रहने की दी सलाह

यूनाइटेड फोरम एवं पेंशनर्स हित रक्षक संघ की बैठक

छिंदवाड़ा। यूनाइटेड फोरम के प्रदेशाध्यक्ष व्ही के एस परिहार एवं पेंशनर्स हित रक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक गुप्ता के आगमन पर भव्य स्वागत किया गया एवं जबलपुर से पधारे एस के पचौरी कंपनी संयोजक, के के मनवारे अध्यक्ष भोपाल पेंशनर हित रक्षक संघ ,राजू परिहार, घनश्याम खंडेलवाल सिवनी का भी स्वागत किया गया। श्री परिहार ने अपने उदबोधन में कहा कि कर्मचारियों एवं पेंशनर्स की मांगे लंबित है परंतु शासन प्रशासन इन पर न तो ध्यान दे रहा है और न ही लगातार पत्राचार के उपरांत भी इनके समाधान हेतु चर्चा ही कर रहा है, इसलिये अपनी मांगो को पूरा करवाने हेतु हमें एक जुट रहने की आवश्यकता है, साथ ही उन्होंने कहा कि पेंशनर्स के भी अलग अलग संगठन बन गए है उन्हें भी एक जुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में अपनी शक्ति दिखाने की ज़रूरत है। पेंशनर्स हित रक्षक संघ भोपाल अध्यक्ष के. के.मनवारे ने कहा कि 13 जून को भोपाल में धरना प्रदर्शन है जिसमें सभी को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचना है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से व्ही आर राउत, विनोद लोखंडे, आर के सोनी, एन के सोंधिया,एस के सोनी,एवं अन्य बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आर के सोनी एवं आभार प्रदर्शन एन के सोंधिया ने किया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

बहनों का बेहतर कल शिवराज का संकल्प

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

एक दिन शेष

सायं 6:00 बजे, जबलपुर

10 जून से

हर महीने 1000 रुपये

1 करोड़ 25 लाख बहनों के खाते में

'महिलाओं की जिंदगी बदलकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी जिंदगी का मकसद है'

-शिवराज सिंह चौहान

D-11044/23

सम्पर्क - ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय और जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023